**Sample**

# लाल–किताब कुण्डली


**Ramesh Parbhakar**

---

**347/7 Red Rose Building**

**Shiv Mohalla Sangam Market**

**Ladwa, Kurukshtra- 136132**

**Contact - 9812560311, 9466960753**

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia (up)

## भाव चलित कुण्डली–लाल किताब

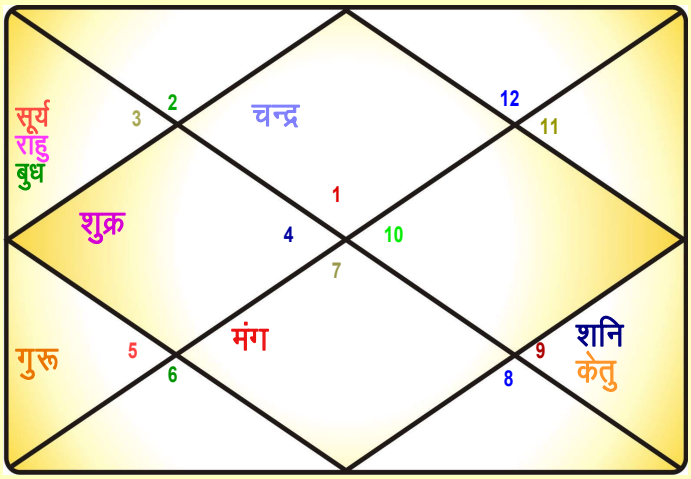


लाल किताब कुण्डली

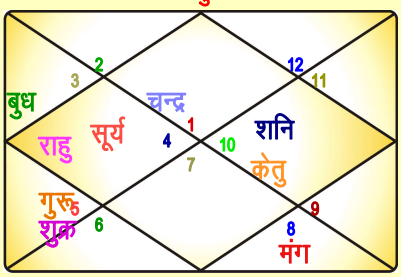


लग्न कुण्डली

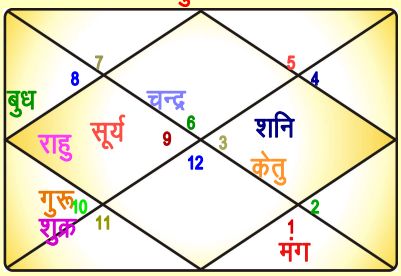


## भाव चलित कुण्डली–लाल किताब में ग्रहों की स्थिति

| ग्रह | भावस्थ | भावेश | प्रभाव | पक्का घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | सोया | विशेष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | तृतीय | 5 | राशि | | | | | | | शुभ भाव में |
| चन्द्रमा | लग्न | 4 | राशि | | | | हाँ | | | शुभ भाव में |
| मंगल (बद) | सप्तम् | 1, 8 | ग्रह | | | बुध | हाँ | | हाँ | शुभ भाव में |
| बुध | तृतीय | 3, 6 | ग्रह | | हाँ | मंगल | | | | अशुभ भाव में |
| गुरू | पंचम् | 9, 12 | ग्रह | हाँ | | | हाँ | | | शुभ भाव में |
| शुक्र | चतुर्थ | 2, 7 | राशि | | | | हाँ | | हाँ | शुभ भाव में |
| शनि | नवम् | 10, 11 | राशि | | | | | | हाँ | शुभ भाव में |
| राहु | तृतीय | | ग्रह | | | | | | | शुभ भाव में |
| केतु | नवम् | | ग्रह | | | | हाँ | | हाँ | शुभ भाव में |

## भाव चलित कुण्डली–लाल किताब में भावों (खानों) की स्थिति

| खाना न॰ | खाना न॰ | मालिक | पक्का घर | सोया | उच्च | नीच | किस्मत को जगाने |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | चन्द्रमा | मंगल | सूर्य | | सूर्य | शनि | मंगल |
| २ | | शुक्र | गुरू | हाँ | चन्द्रमा | | चन्द्रमा |
| ३ | सूर्य, बुध, राहु | बुध | मंगल | | राहु | केतु | बुध |
| ४ | शुक्र | चन्द्रमा | चन्द्रमा | | गुरू | मंगल | चन्द्रमा |
| ५ | गुरू | सूर्य | गुरू | | | | सूर्य |
| ६ | | बुध | बुध केतु | हाँ | बुध राहु | शुक्र केतु | केतु |
| ७ | मंगल | शुक्र | शुक्र बुध | | शनि | | शुक्र |
| ८ | | मंगल | मंगल शनि | हाँ | | चन्द्रमा | चन्द्रमा |
| ९ | शनि, केतु | गुरू | गुरू | | केतु | राहु | शनि |
| १० | | शनि | शनि | | मंगल | गुरू | शनि |
| ११ | | शनि | शनि | | | | गुरू |
| १२ | | गुरू | गुरू | हाँ | शुक्र केतु | बुध राहु | राहु |

# लाल किताब भाव चलित कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

## लाल किताब की सामान्य दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | अर्द्ध | | अर्द्ध |
| चन्द्रमा | | | पूर्ण | | | | | | |
| मंगल | | | | | | | | | |
| बुध | | | | | | | अर्द्ध | | अर्द्ध |
| गुरू | | | | | | | अर्द्ध | | अर्द्ध |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | | | | | | | | |
| राहु | | | | | | | अर्द्ध | | अर्द्ध |
| केतु | | | | | | | | | |

## ग्रहों की दृष्टि

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | बृह | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | 0 | | 0 |
| चन्द्रमा | | | 0 | | | | | | |
| मंगल | | | | | | | | | |
| बुध | | | | | | | 0 | | 0 |
| गुरू | | 0 | | | | | 0 | | 0 |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | 0 | | | 0 | | | | 0 | |
| राहु | | | 0 | | | | 0 | | 0 |
| केतु | 0 | 0 | | 0 | 0 | | | 0 | |

## लाल किताब में टक्कर की दृष्टि

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | बृह | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | | | | | | | | | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | | | | | | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | | | | | 0 | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | | | | | 0 | | | |

## लाल किताब में पाये की दृष्टि

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | बृह | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | 0 | | 0 |
| मंगल | 0 | | | 0 | | | | 0 | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | 0 | | | | | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | | | | 0 | | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | | | | 0 | | | | |

## लाल किताब में विश्वासघात की दृष्टि

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | बृह | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | | | | | | 0 | | | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | | | | | | | | |
| शुक्र | | 0 | | | | | | | |
| शनि | | | | | | | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | | | | | | | | |

## लाल किताब में सहचरी दिवार दृष्टि

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | बृह | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | 0 | | | |
| मंगल | | | | | | 0 | | | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | | | | | | | | |
| शुक्र | 0 | | | 0 | 0 | | | 0 | |
| शनि | | | | | | | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | | | | | | | | |

## लाल किताब में अचानक प्रहार दृष्टि

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | बृह | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | 0 | | | | | | | |
| चन्द्रमा | 0 | | 0 | 0 | | | | 0 | |
| मंगल | | 0 | | | 0 | | 0 | | 0 |
| बुध | | 0 | | | | | | | |
| गुरू | | | 0 | | | | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | | 0 | | | | | | |
| राहु | | 0 | | | | | | | |
| केतु | | | 0 | | | | | | |

## लाल किताब में परस्पर सहयोग दृष्टि

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | बृह | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | 0 | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | 0 | | | | |
| मंगल | | | | | | | | | |
| बुध | | | 0 | | | | | | |
| गुरू | | | | | | | 0 | | 0 |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | 0 | | | | | | | |
| राहु | | | 0 | | | | | | |
| केतु | | 0 | | | | | | | |

# ग्रहफल और उपाय–लाल किताब

## (सभी भविष्यफल भाव चलित कुण्डली पर आधारित हैं)

## पांचवें भाव में स्थित गुरू का फल

पाँचवां भाव बृहस्पति का अपना पक्का भाव है। लाल किताब में बृहस्पति को इज्जत–आबरू वाला व्यक्ति और ब्रह्म ज्ञानी कहा गया है। परन्तु काल–पुरुष कुण्डली के अनुसार, पाँचवें भाव में सूर्य की राशि होने के कारण ऐसा व्यक्ति बहुत ही जल्द गुस्सा हो जाता है।

यदि आपकी संतान बृहस्पतिवार के दिन पैदा होती है, तो आप जीवन में बहुत ज्यादा उन्नति करेंगे।

आपकी कुण्डली में शनि नौवें भाव स्थित है। लाल किताब के अनुसार, इसका बहुत ही शुभ प्रभाव होगा।

आपकी कुण्डली में राहु उच्चस्थ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी स्थिति राजाओं जैसी होगी या आप कोई बड़े अधिकारी होंगे।

## पांचवें भाव में स्थित गुरू के उपाय और सावधानियाँ

(1) कुत्ता पालें।
(2) गणेश जी की पूजा करें।
(3) स्कूल अध्यापक की सेवा करें।
(4) नाग और केसर जल में प्रवाहित करें।
(5) कोई भी दान और उपहार न लें।
(6) पुजारियों और साधुओं की सेवा करें।
(7) मंदिर से प्रसाद न लें।
(8) चोटी रखें।
(9) माँस–मदिरा का सेवन न करें।
(10) अपना चरित्र ठीक रखें।
(11) पूजा स्थल की नियमित सफाई करें।
(12) बृहस्पतिवार का व्रत रखें।
(13) पीपल के पेड़ की सेवा करें।
(14) विष्णु भगवान की पूजा करें।
(15) पुखराज पहनें, पुखराज के अभाव में हल्दी लगायें।
(16) अपने घर में गेंदा या सूर्यमुखी का पौधा लगायें।

## तीसरे भाव में स्थित सूर्य का फल

तीसरे भाव में सूर्य को धन संपत्ति का राजा बोला गया है। सामान्यतः चंद्रमा और शुक्र जब तीसरे भाव में हों, तो शुभ फल ही देते हैं और मंगल भी बद (बुरा) होते हुए भी अशुभ फल नहीं देता है।

तीसरे भाव में बैठा हुआ सूर्य आपमें ज्योतिष के प्रति रूचि पैदा कर सकता है और आप ज्योतिष का ज्ञान प्राप्त करते हैं, तो यह आपके लिए लाभदायक होगा।

आपको अपना चरित्र ठीक रखना चाहिए, अन्यथा सूर्य आपके भाग्य को नष्ट कर सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य का कोई शत्रु ग्रह नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पूर्वजों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रही होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध एक साथ तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यदिआप अपने प्रेम संबंधों में खरे नहीं होंगे तो आपकी बदनामी हो सकती है और 17 से 34 वर्ष तक का समय आर्थिक रूप से कष्टकारक हो सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु एक साथ तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह स्थिति केतु और बुध को आपकी कुण्डली में अशुभ बना रही है। आपकी बहन, बुआ अथवा बेटी परइसका बुरा प्रभाव हो सकता है। हाथी दाँत के जेवर आपके लिए अत्यंत नुकसानदायक होगा।

## तीसरे भाव में स्थित सूर्य के उपाय और सावधानियाँ

(1) अपना चाल–चलन ठीक रखें।
(2) अपने भतीजे की सहायता करें।
(3) अपनी माता–दादी का आशीर्वाद लेते रहें।
(4) रविवार का व्रत रखें।
(5) सूर्य को गुड़ डालकर अर्घ्य दें।
(6) हरिवंश पुराण की कथा कहें या सुनें।
(7) दूसरों को खीर खिलायें।
(8) शुभ सोचें।

## पहले भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

आपकी कुण्डली में चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित है। आपकी माता जब तक जीवित हैं, तब तक आपको धन की कोई नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे, एवं आपको व्यवसाय नौकरी आदि में कभी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यदि आप अपनी मर्जी से अपने किसी रिश्तेदारी में 28 वर्ष या 28 वर्ष से पहले विवाह करते हैं,

तो आपकी होने वाली संतान पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आपको 24 वर्ष या 24 वर्ष से पहले कोई संतान होती है, अथवा आप अपने पैसे से मकान बनवाते हैं, तो आपकी संतान पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आप 24वें वर्ष में विवाह करते हैं, तो यह चंद्रमा के शुभ प्रभाव को पूरी तरह से नष्ट कर देताहै। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति से बचने के लिए आपको चाँदी के गिलास में दूध पीना चाहिए। आपको ये भी ध्यान रखना चाहिए, कि उस गिलास मे कोई गर्दन या टोटी ना हो, अन्यथा आपके माता के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आप 100 दिन से अधिक की यात्रा पर जा रहे हैं, तो आपको किसी नदी में या समुद्र में तांबेका सिक्का फेंकना चाहिए।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित है। आपको चंद्रमा से संबंधित वस्तुओं जैसे चाँदी के बर्तन, और दूध का व्यापार करने से बचना चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं, तो यह चंद्रमा की शुभता को पूरी तरह से नष्ट कर देगा और आपके ऊपर भी इसका बहुत ही बुरा प्रभाव हो सकता है। इसी तरह से आपको दूध दान करने से बचना चाहिए।

यदि आपको रात में नींद नहीं आती है या आपको चैन नहीं मिलता है, तो आपको अपने बिस्तर केचारों पावों के नीचे तांबे के नाखून दबाने चाहिए। इसके अलावा, आपको किसी बरगद के पेड़ मेंपानी देना चाहिए। यदि आप अपनी माता की सेवा करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं, तो यहआपकी उम्र के लिए बहुत ही लाभप्रद है। इससे आपके व्यापार और नौकरी पर भी शुभ प्रभाव होगा। यदि आप अपनी माता से चाँदी अथवा चावल का दान लेते हैं, तो यह आपका भाग्योदय करने में सहायक होगा। आपकी माता की मृत्यु के बाद आपका भाग्योदय होने की संभावना कम हीहै।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित है। आप जब भी किसी यात्रा पर जायें, लौटते समयअपनी माता के चरण को स्पर्श अवश्य करें। यह आपकी माता के उम्र के लिए लाभप्रद है। यदि आप अपनी माता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित हैं, तो आपको लाल रंग के पत्थर का गुटका या गुड़ को जमीन में दबाना चाहिए।

यदि आप अपने किसी रिश्तेदार के साथ साझे में व्यापार करते हैं, तो आपको बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

यदि आप किसी व्यक्ति से बिना पैसे दिये कोई वस्तु लेते हैं, तो यह चंद्रमा की शुभता को कम करता है और इसका बुरा प्रभाव आपके जीवनसाथी पर पड़ सकता है। इस स्थिति से बचने के लिए आपको बूढ़ी स्त्रियों का आशीर्वाद लेना चाहिए।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा के मित्र ग्रह सातवें या आठवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार,आपमें मिट्टी से सोना बनाने की कला होगी।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा शुभ है। लाल किताब के अनुसार, आपको बड़ी मात्रा में पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। कभी–कभी दूसरे व्यक्ति भी अपना कीमती सामान आपके पास रखकर जायेंगे, जो कि

बाद में आपका हो जायेगा।

## पहले भाव में स्थित चन्द्रमा के उपाय और सावधानियाँ

(1) अपने पास लाल रूमाल रखें।
(2) चारपाई के पायों में ताँबे की कील गाड़ें।
(3) बरगद के पेड़ की जड़ में पानी दें।
(4) यदि आप पुत्र के साथ यात्रा कर रहे हैं, तो नदी इत्यादि में ताँबे का पैसा डालें।
(5) घर में यदि कुआं है, तो उस पर छत न डलवायें।
(6) अपनी उम्र के 24 से 27 वर्ष के बीच विवाह न करें और अपने पैसे से मकान भी न बनवायें।
(7) हरे रंग और साली से बचें।
(8) अपने घर में चाँदी के ऐसे बर्तन जिसमें टोंटी लगे हों, न रखें।
(9) अपने घर में चाँदी की थाली रखें।
(10) पानी अथवा दूध पीने के लिए चाँदी के बर्तन का इस्तेमाल करें।
(11) शीशे के बर्तनों का प्रयोग न करें।
(12) अपनी माता का आशीर्वाद लें और उनके द्वारा दिये हुए चावल और चाँदी का दान अपने पासरखें।

## चौथे भाव में स्थित शुक्र का फल

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। आपको बहुत सारी यात्रायें करनी पड़ सकती है, जो कि फलदाई होंगी।

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके ननिहाल की हालत ज्यादा ठीक नहीं हो सकती है और आपको अपनी संतान के बारे में काफी चिंता करनी पड़सकती है। यदि आपके ननिहाल पर बुरा असर पड़ रहा है, तो आपको बारिश का पानी चाँदी की डिब्बी में डालकर घर में रखना चाहिए अथवा कुएं में केसर या हल्दी डालना चाहिए।

यदि आप कुएं पर छत डालकर अपना घर बनवाते हैं, तो आपको संतान होने की संभावना बिल्कुलही कम हो सकती है।

आपको अपना चरित्र बहुत ही साफ सुथरा रखना चाहिए, अन्यथाा आपके भाग्य पर इसका बुरा असर होगा।

आपको दूसरों की गलतियों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। यदि ऐसे व्यक्ति की खूबियों का बखानकरेंगे, तो आपके लिए शुभ होगा।

यदि आपके मकान की छत की हालत जर्जर है, तो इसका आपके जीवनसाथी पर बुरा असर हो सकता

है।

यदि आपका विवाह 22, 24, 29, 32, 39, 47, 51, 60 साल में हो, तो इसका आपके ऊपर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में शनि और बृहस्पति एक साथ स्थित नहीं हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकी पत्नी बहुत अधिक भाग्यशाली नहीं हो सकती हैं।

## चौथे भाव में स्थित शुक्र के उपाय और सावधानियाँ

(1) यदि आपकी पत्नी बीमार होती हैं, तो अपने छत पर शहद से भरा हुआ बर्तन रखें।
(2) दही का दान करें।
(3) बृहस्पति का उपाय सहायक होगा।
(4) गाय की सेवा करें।
(5) अपनी पत्नी का नाम बदलकर उसके साथ दुबारा विवाह करें।
(6) बहते हुए पानी में चावल, चाँदी या दूध बहायें।
(7) यदि आपकी पत्नी और आपकी माता में अनबन होती रहती है, तो बुजुर्ग औरतों को खीर और दूध खिलायें।
(8) अपने घर की छत को साफ–सुथरा रखें।
(9) बृहस्पति की वस्तुएं जैसे चना, दाल अथवा केसर नदी में बहायें।
(10) आडु की गुठली में सुरमा भरकर जमीन में दबायें।
(11) कपिला गाय की सेवा करें।
(12) लाल कपड़े पहनें और शहद का सेवन करें।
(13) वस्त्रों पर विशेष ध्यान दें।

## सातवें भाव में स्थित मंगल का फल

आपकी कुण्डली में मंगल सातवें भाव में बैठा हुआ है। आपको विष्णु भगवान की सहायता प्राप्त होती रहेगी। आपको अपने भाई के लड़कों को पालना चाहिए। आप ज्योतिष विद्या में भी रूचि रखने वाले हो सकते हैं।

सातवें भाव में मंगल के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए आप जब भी अपनी बुआ या बहन के घर जायें तो मिठाई अवश्य ले जायें। इसके अलावा ठोस चाँदी अपने घर में रखना भी मंगल के प्रभाव को शुभ कर सकता है।

आपकी कुण्डली में मंगल अशुभ है या बुध पहले, सातवें या आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस ग्रह युति का आपको अशुभ फल प्राप्त होगा। यदि आपके घर के आस–पास कोई खाली कुआँ हो, तो बुरे प्रभाव में और भी बढ़ोत्तरी हो सकती है। आपको अपनी बहन या बुआ से कोई भी वस्तु मुफत में नहीं लेनी चाहिए। यदि आप अपने घर में एक मिट्टी

की छोटी दीवार बनाकर बार–बार गिराते रहें, तो बुध का बुरा असर कम हो सकता है। आपको खून से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं।

## सातवें भाव में स्थित मंगल के उपाय और सावधानियाँ

(1) बुआ/बहन को लाल कपड़ा भेंट करें।
(2) शनि को उच्च करने के लिए मकान बनायें।
(3) चाँदी की ठोस गोली अपने जेब में रखें।
(4) स्नान करने के बाद अपनी पत्नी के साथ लाल कपड़ा पहनें तथा ताँबे के बर्तन में चावल भरकर उस पर चंदन का लेप लगाकर हनुमान जी के मंदिर में दान करें।
(5) बेटी, बहन, बुआ और साली को मिठाई भेंट में दें।
(6) बार–बार एक छोटी सी दीवार बनाकर उसे गिराते रहें।
(7) अपने भाई के लड़कों की सेवा करें।
(8) घर में बेल–बुटेदार पौधे न लगायें।
(9) अपना चाल–चलन ठीक रखें।
(10) मसूर की दाल, शहद या सिंदूर दान करें या पानी में बहायें।
(11) मेहमानों को खाने के बाद मिठी चीजें खिलायें।
(12) मृगछाला पर सोयें।

## तीसरे भाव में स्थित बुध का फल

लाल किताब मे तीसरे भाव में स्थित बुध को बहुत अधिक शुभ नहीं माना गया है, परन्तु अपने भाई–बन्धुओं और संबंधियों पर इसका प्रभाव शुभ ही होता है। अन्य कोई आपके संपर्क में आये तो आपसे लाभ नहीं उठा पायेगा। आपकी धन–संपत्ति के लिए भी बुध शुभ प्रभाव देगा।

तीसरे भाव में स्थित बुध के समय पुश्तैनी जायदाद, आमदनी, मन की शांति आदि पर बुरा असर होगा। यहां पर बुध के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए साबुत मूंग रात में भिगोकर सुबह पक्षियोंको डालना चाहिए और यह उपाय लगातार 43 दिन तक करना चाहिए। इस उपाय से व्यापार में भी प्रगति होगी।

यदि आपके घर का दरवाजा दक्षिण की तरफ है, तो लाल किताब के अनुसार, आपके जीवनसाथी, संपत्ति और आपके ससुराल पक्ष पर इसका बहुत बुरा असर हो सकता है।

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान की प्राप्ति में देरी हो सकती है।

आपकी कुण्डली में बुध और राहु एक साथ तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह एक ग्रह युति आपके लिए शुभ फल प्रदान करेगी।

## तीसरे भाव में स्थित बुध के उपाय और सावधानियाँ

(1) फिटकरी से दाँत साफ करें।
(2) देवी पर चाँदी का छत्र चढ़ायें।
(3) माणिक पहनें।
(4) भतीजी की सेवा करें।
(5) नाक छेदवायें।
(6) बुधवार के दिन बकरी का दान करें।
(7) यदि आपकी संतान कष्ट में है, तो कुत्ता पालें।
(8) पीले रंग की कौड़ियों को जलाकर उसकी राख नदी में बहायें।
(9) चौड़े पत्तों वाले पौधे घर में न लगायें।
(10) दक्षिणमुखी घर में ना रहें।
(11) मां दुर्गा की पूजा करें और कुआंरी कन्याओं का आशीर्वाद लें।
(12) तोता पालें।
(13) ढाक के पत्तों को धोकर विराने में पत्थर से दबायें।
(14) दमा की दवाई मुफत में दें।
(15) लड़की, बहन, बुआ, मौसी अथवा साली की सेवा करें और उनका आशीर्वाद लें।
(16) हिजड़ों को हरी चूड़ियां, हरे रंग के कपड़े आदि दान करें।

## नौवें भाव में स्थित शनि का फल

सामान्यतः नौवें भाव में बैठा हुआ शनि शुभ फल प्रदान करता है। आपको मकान का सुख प्राप्त होगा। आपकी शिक्षा ऊँचे दर्जे की हो सकती है और माता–पिता का सुख लम्बे समय तक प्राप्त होगा। आप पर कोई कर्ज नहीं हो सकता है। यदि आपके मकान के पिछले हिस्से में कोई अंधेरी कोठरी है, तो उसमें रोशनी के लिए खिड़की वगैरह न खुलवायें।

यदि आप अपने घर में ईंधन का सामान या पुरानी लकड़ी इकट्ठा रखते हैं, तो शनि का फल मंदाहो जायेगा।

आपको संतान की प्राप्ति थोड़ी देर से हो सकती है। यदि आपके जीवनसाथी गर्भवती हैं, तो आपको अपना मकान नहीं बनवाना चाहिए।

आपकी कुण्डली में दूसरा भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में शनि का फल मंदा हो जाता है और आपकी जिंदगी कष्टमय हो सकती है।

आपकी कुण्डली में शनि पर राहु या केतु की दृष्टि पड़ रही है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप धन का लेन–देन करते हैं, तो आप निर्धन हो जायेंगे और आपके संतान के जन्म में रूकावटें पैदा हो सकती

हैं।

आपकी कुण्डली में शनि और केतु एक साथ नौवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और आपका जीवन सुखमय होगा।

## नौवें भाव में स्थित शनि के उपाय और सावधानियाँ

(1) बहते हुए पानी में चावल या बादाम बहायें।
(2) सोने–चाँदी और कपड़ों से संबंधित कारोबार आपके लिए शुभ फलदायक होगा।
(3) घर के आखिरी में अंधेरी कोठरी जरूर बनवायें।
(4) घर की छत पर ईंधन इक्ट्ठा न करें।
(5) बृहस्पति का उपाय सहायक होगा।
(6) केसर का तिलक लगायें।
(7) भैरों मंदिर में शराब दान दें।
(8) काली भैसं पालें।
(9) साँप को दूध पिलायें।
(10) तेल/शराब का दान करें।
(11) झूठ न बोलें।
(12) माँस–मदिरा का सेवन न करें।

## तीसरे भाव में स्थित राहु का फल

आपकी कुण्डली में राहु तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यहां बैठा हुआ राहु आपके अंगरक्षक की तरह होगा। आपके पास जायदाद अवश्य होगी।

राहु का फल यदि अशुभ हो रहा है, तो चाँदी की डिब्बी में चावल रखकर उसको अपने घर में स्थापित करें।

आपको हाथी दाँत से बनी हुई वस्तुओं को अपने घर में नहीं रखना चाहिए।

आप अपने जीवन में घटने वाली घटनाओं का अनुमान बहुत पहले लगा ले सकते हैं।

आपकी कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वजह से राहु का फल मंदा हो सकता है। आपको दूसरों को उधार देने से बचना चाहिए, अन्यथा आप घाटे में पड़ सकते हैं।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध दोनों राहु के साथ तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकी 22 से 35 वर्ष तक की उम्र के बीच आपकी बहन के गृहस्थ सुख में कमी आ सकती है, परन्तु आपके अपने काम–काज और पारिवारिक सुख में कोई कमी नहीं होगी।

## तीसरे भाव में स्थित राहु के उपाय और सावधानियाँ

(1) हाथी दाँत से बनी वस्तुएं अपने पास नहीं रखें।
(2) चाँदी के आभूषण पहनें या अपने पास रखें।
(3) कन्यादान करना लाभदायक होगा।
(4) सरसों, तंबाकू आदि का दान करना चाहिए।
(5) अपने परिवार से अलग न रहें।
(6) सूर्योदय के बाद पक्षियों को अनाज डालें।
(7) आपको झूठी गवाही नहीं देनी चाहिए।
(8) पीपल का वृक्ष लगायें।

## नौवें भाव में स्थित केतु का फल

लाल किताब में नौवें भाव में स्थित केतु को ''आज्ञाकारी बेटा'' कह कर पुकारा गया है।

आपके जीवन में बहुत सारे बदलाव आ सकते हैं और आपकी संतान वफादार एवं बहादुर होगी। यदि आपके घर में गर्भवती कुतिया है, तो आप पर बहुत शुभ असर हो सकता है।

लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपने नाती, भतीजे, भांजे या साले की उचित देखभाल करते हैं, तो केतु का फल शुभ हो जाता है।

नौवें घर में केतु स्थित होने के कारण आपका आशीर्वाद फलीभूत हो सकता है। निःसंतान दम्पत्ति को आपसे आशीर्वाद लेना चाहिए।

आपको अपने घर में सोने की ईंट रखनी चाहिए या कानों या शरीर पर सोना धारण करना चाहिए। यदि आप घर में सोना रखते हैं, तो यह बढ़ता जायेगा।

केतु से संबंधित बीमारियों जैसे– रीढ़ की हड्डी, पाँव या जोड़ों के दर्द के समय कानों में सोना पहनना चाहिए।

आपको कोई भी कार्य अपने बेटे की सलाह से करनी चाहिए।

नौवें भाव में केतु स्थित होने के कारण आपका जीवन ज्यादातर परदेश मे बीत सकता है। आपके पिता की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी। आपके लड़के भी सुखी होंगे।

यदि नौवें भाव में बैठा हुआ केतु मंदी हालत में है, तो ननिहाल पर बहुत ही बुरा असर हो सकता

है।

आपकी कुण्डली में सातवें भाव में कोई न कोई ग्रह बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, उस ग्रह की आम आयु पर असर के साल गुजरने के बाद केतु का फल शुभ हो जायेगा।

आपको कम से कम तीन पुत्र हो सकते हैं।

## नौवें भाव में स्थित केतु के उपाय और सावधानियाँ

(1) यदि आपके घर में गर्भवती कुत्तिया है, तो यह आपकी संतान के लिए शुभ फलदायक है।
(2) कानों में सोना पहनें।
(3) घर में किसी स्थान पर सोने का चौकोर पत्तर रखें।
(4) यदि आपके जोड़ों में दर्द होता है, तो कानों में सोना पहनें।
(5) गणेश जी की पूजा करें।
(6) बड़ों का आदर करें।
(7) सास–ससुर की सेवा करें।

# ग्रहफल लाल–किताब

## (सभी भविष्यफल भाव चलित कुण्डली पर आधारित हैं)

# सूर्य तृतीय भाव में

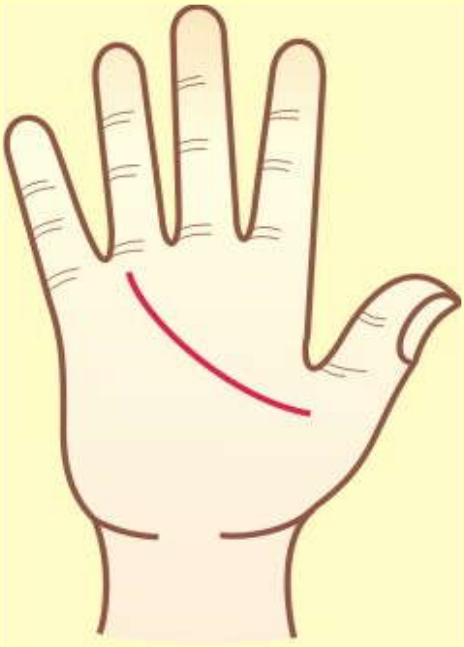

आपकी कुण्डली में सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। आपके कंधों पर अपने परिवार की भारी जिम्मेदारी होगी और आप उसे बहादुरी के साथ निभायेंगे। आप साहसी होंगे और कभी हिम्मत नहीं हारेंगे। आप अपनी क्षमता से अधिक लोगों की मदद करेंगे। आप अपनी बहादुरी का प्रदर्शन करेंगे। आपकेपास जीवन की सभी सुख सुविधायें होंगी। आपकी नजर तेज होगी और आप सक्रिय तथा उत्साह से भरपूर होंगे। आपके भाई और सम्बन्धियों की आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। अपने साले केसाथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपको उससे लाभ प्राप्त होगा। आप पेड़ लगायेंगे। आपको युवावस्था में झगड़ों और विवादों से दूर रहना चाहिये। आप अपनी युवावस्था में प्रगति करेंगे। गणित, ज्योतिष में आपकी रूचि होगी। आप सरकारी विभाग से लाभ प्राप्त करेंगे। मुकदमों में आपको जीत हासिल होगी। आपको अपने घर पर बन्दूक, हथियार आदि सावधानी से रखना चाहिये।

यदि आपने अपने परिवार वालों के साथ झगड़ा किया, अपने ससुराल वालों के साथ समस्यायें पैदाकीं, लोगों को गुमराह किया तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि किसी कारण से आपका सूर्य कमजोर हो जाता है तो आपके घर पर चोरी हो सकती है या आपके परिवार का कोईसदस्य बीमार हो सकता है। आपके शत्रुओं की संख्या बढ़ सकती है। आपको जीवन में

उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपके घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा की तरफ है तो यह आपके लिये अशुभ हो सकता है। आपको बिना लिखित रूप से किसी प्रकार का आर्थिक लेन–देन नहीं करना चाहिये, अन्यथा आपको अशुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– चोरी की कोई वस्तु न लें।
2– कोई गलत काम न करें।

## उपाय :

1– अपनी माता और दादी का आर्शीवाद लें।
2– पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध न बनायें।

# चन्द्रमा प्रथम भाव में

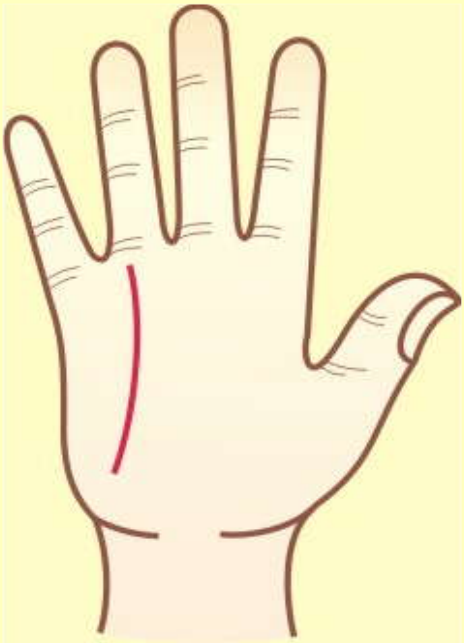

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा पहले भाव में स्थित है। आपका जन्म काफी मिन्नतों के बाद हुआ होगा या आपका जन्म एक से अधिक बहनों के जन्म के बाद हुआ होगा। आपमें सबको आकर्षित करने की क्षमता होगी। आपको सफेद कपड़े पहनना पसन्द होगा। आपका स्वभाव शांत और विनम्र होगा।आप सुंदर होंगे। आप विद्वान होंगे और आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा। आपको पैतृक घर प्राप्त होगा। आप सम्पन्न होंगे और आपको जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी। यदि आपका विवाह 28 साल की आयु में होता है तो आप सारा जीवन सुखी रहेंगे। आपको किसी व्यक्ति की सम्पत्ति या धन प्राप्त होगा और इससे आप धनी हो जायेंगे। जब तक आपकी माता जीवित हैं, आपको धन की कमी नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पिता को व्यापार, आर्थिक लाभ और जीवन से संबंधित शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। यदि आप 24 से 27 साल की आयु के बीच कोई यात्रा करते हैं तो यात्रा से वापस आने के बाद अपनी माता का आशीर्वाद लें। इससे आपकी माता दीर्घायु होंगी। आपको 24 साल की आयु से पहले अपना घर नहीं बनवानाचाहिये। आपकी वृद्धावस्था सुख से पूर्ण होगी।

यदि आप 24 साल से पहले अपना घर बनवाते हैं, 28 साल की आयु में विवाह करते हैं, अपनी आया से झगड़ा करते हैं या गाय को कष्ट देते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप पानी में डूब सकते हैं। आपको मानसिक शांति नहीं मिल सकती है और आप चिन्तित रह सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रह सकता है। आपको दिल और ऑख से सम्बन्धित रोग होसकते हैं। आपको पुत्र का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– अपनी माता या बूढ़ी औरतों से झगड़ा न करें।
2– आपको नैतिक मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिये।

## उपाय :

1– चांदी के गिलास में पानी या दूध पियें।
2– पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ायें।

# मंगल सप्तम भाव में

आपकी कुण्डली में मंगल सातवें भाव में स्थित है। आपको सभी प्रकार के सुख प्राप्त होंगे और आपएक राजसी जीवन व्यतीत करेंगे। आपके भाई आपकी मदद करेंगे और आपको उनसे लाभ प्राप्त होगा। आपकी संतान प्रगति करेगी। आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा होगा और आपकोजीवनसाथी से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आपके परिवार के सदस्य आपकी मदद करेंगे। आप सज्जन, दयालु और परोपकारी होंगे। आप जरूरतमंदों और दुःखी लोगों की सहायता करेंगे। आप दूसरों को खुशियां प्रदान करेंगे। आप न्यायप्रिय होंगे और आपको नाम और यश प्राप्त होगा। आप न्यायाधीश या सरपंच हो सकते हैं या आपको इस प्रकार के अधिकार मिल सकते हैं, जिसमें आपकोसत्यता का पता लगाकर न्याय करना होगा। आपको ज्योतिषशास्त्र में रूचि होगी। यदि आप सरकार नौकरी में हैं तो आपका स्तर उठेगा। आप जो कुछ चाहेंगे, कम से कम एक बार वह आपको अवश्य मिलेगा। आप अपने परिवार का संरक्षण करेंगे, परिवार के सदस्यों की प्रगति में योगदान देंगे।

यदि आप लोगों से झगड़ा करेंगे, पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखेंगे, पुत्री के पिता होंगे तोआपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तोआपको अपनी विधवा बहन, बुआ या साली के साथ नहीं रहना चाहिये। यदि पराई औरतों के साथ आपके अनैतिक संबंध हुये तो आप दीर्घायु नहीं हो सकते हैं। आपको रक्त संबंधी कोई विकारहो सकता है।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– अपना आचरण ठीक रखें।

2– जमीन पर रेंग कर बढ़ने वाले पौधे न लगायें।

**उपाय :**

– बहन और पुत्री को मिठाई दें।
2– भतीजा और भतीजी की सेवा करें।

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। आप सदैव यात्रा करेंगे। आपको चिकित्सा व्यवसायमें यश प्राप्त होगा। आपके मित्र और संबंधी आपकी सहायता करेंगे। आपको कुछ खराब परिणामों के साथ उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आप दूसरों के लिये भाग्यशाली साबित होंगे। जो भी आपसे मिलेगा, उसे लाभ प्राप्त होगा। आपको आय के उत्तम साधन प्राप्त होते रहेंगे। यदि आप फल, खेती, कांसे के बर्तन, पशुपालन से सम्बन्धित व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने मामा और संतानों के लिये लाभकारी होंगे। आपको दमा का उपचार करना आता होगा। आप अपने व्यापार में प्रगति करेंगे। आप निडर होंगे, लेकिन झगड़ों से दूर रहेंगे। आपको बुरे कार्योंसे घृणा होगी। किसी नये कार्य को आरम्भ करते समय आपके दिमाग में कई विचार आयेंगे और आप जिन पर विश्वास करेंगे, उनसे परामर्श करेंगे। आप अपने दिमाग से भी सोचेंगे।

यदि आप अपनी बुआ, बहन, पुत्री के धन का प्रयोग करेंगे, चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष लगायेंगे, दक्षिणमुखी घर में रहेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका जीवन बहुत अच्छा नहीं हो सकता है। आपको भाइ–बहनों का सुख नहीं मिल सकता है। आपका उनसे झगड़ा हो सकता है। आपका भाग्य देर से उदय हो सकता है। आपको संतान सुख देर से प्राप्त हो सकता है।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– मामा और बुआ से न लड़ें।
2– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।

## उपाय :

1– कन्याओं की सेवा करें या दुर्गा पूजा करें।
2– तोता पालें।

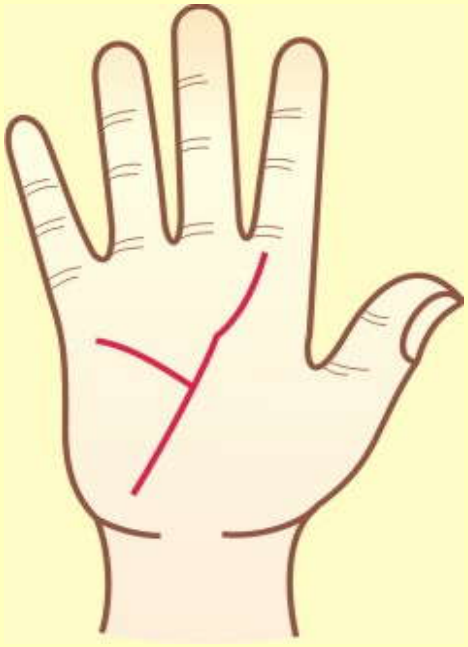

आपकी कुण्डली में बृहस्पति पॉचवें भाव में स्थित है। आपकी संतान प्रगति करेगी। अपनी आयु बढ़ने के साथ–साथ आप भी प्रगति करेंगे। आपकी 16वें साल की आयु के दौरान आपका भाग्य चमकेगा। आप संतान की तरफ से सुखी रहेंगे। आपको 60 साल की आयु तक उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको अपनी संतान के जन्म के बाद अपने दादा या पिता से मदद प्राप्त नहीं हो सकती है। आपकी संतान, जिसका जन्म बृहस्पतिवार को होगा, के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपको आध्यात्म का परम ज्ञान होगा और आप यश प्राप्त करेंगे। आप व्यापार या लेखन के द्वारा धन कमायेंगे। आप दूसरों की मदद करेंगे। आप धन संग्रह करेंगे और खुश रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में लोग आपको एक प्रधान की तरह मानेंगे।

यदि आप धर्म के विरूद्ध सोचेंगे, धर्म के नाम पर एकत्र किये गये दान का प्रयोग करेंगे, साधुओं सेझगड़ा करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप और अधिक क्रोध कर सकते हैं। यदि आप पराई महिलाओं के साथ संबंध रखेंगे तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अधिकारियों के साथबैर भाव रखेंगे या बिना मोल दिये कोई सामान लेंगे तो आपको हानि हो सकती है। यदि आप मांसाहारी भोजन करेंगे या आलस्य करेंगे तो आपको हानि हो सकती है।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– ईश्वर में आस्था रखें।
2– नाव से किसी तरह का कोई संबंध न रखें।

**उपाय :**

1–साधुओं की सेवा करें।
2–धर्मशाला या धार्मिक स्थान को साफ करें।

# शुक्र चतुर्थ भाव में

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। आप धनी होंगे। आपको संतान का सुख प्राप्त होगा। अपनी पत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा और आप चुस्त और सकिय होंगे। आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे और उनसे लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी पत्नी सभी काम खुशी के साथ करेंगी। यदि आप अपने विवाह केबाद अपने घर में कुऑ बनवायेंगे तो आपको लाभ मिलेगा। आपकी 34 साल की आयु के बाद आपकी पत्नी और संतान बुरे प्रभाव से मुक्त हो जायेंगे। आपका आध्यात्म की तरफ झुकाव होगा और आपको आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त होगी। आपको राजयोग द्वारा जीवन में सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपने मामा और मौसी को उनके व्यापार में मदद करेंगे तो उन्हें व्यापार में सफलता प्राप्त होगी। आपको उत्तम भवन और वाहन का सुख प्राप्त होगा। आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम होगाऔर वह आपको जीवन में लम्बे समय तक सुख प्रदान करेंगी। आप अपने गॉव, शहर, देश याविदेश में प्रसिद्ध होंगे। आपको यात्रा, उत्तम भोजन और निंद्रा पसन्द होगी। आपको सरकारी विभाग से लाभ प्राप्त होंगे। आप अपने व्यवसाय में उच्च पद प्राप्त

करेंगे।

यदि आपने 21 से 25 साल की आयु के मध्य विवाह किया, नशीले पदार्थों का सेवन किया, सूरमा से संबंधित कोई काम किया तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपकी माता और पत्नी के बीच झगड़ा हो सकता है। आपका कोई प्रेम प्रसंग आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपकी पत्नी आपके परिवार के लिये शुभनहीं हो सकती हैं। नशे की लत आपके जीवन को बर्बाद कर सकती है। आप दोबारा विवाह कर सकते हैं। आपकी पत्नी को गर्भाशय से संबंधित कोई रोग हो सकता है।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– अपना चरित्र ठीक रखें।
2– अपने पूर्वजों के घर की दहलीज खराब न होने दें।

## उपाय :

1– कुँऐं में केसर डाले।
2– चार गुलर के बीजों में सुरमा भरकर किसी वीराने में दबायें।

आपकी कुण्डली में शनि नौवें भाव में स्थित है। आप परोपकारी होंगे और लोगों की मदद करेंगे। इस कारण से आपको लाभ प्राप्त होंगे। आपके पास बहुत सम्पत्ति होगी। आपका संबंध कुलीन और बड़े परिवार से होगा। आप अपने भाई और मित्रों की मदद से धनी बनेंगे। आप बहुत धन कमायेंगे। चलते फिरते काम आपके लिये लाभकारी होंगे। आपको संतान सुख प्राप्त होगा, लेकिन आपको संतान प्राप्ति देर से हो सकती है। आपकी पत्नी धनी परिवार से होंगी। वे भाग्यशाली भी होंगी। आप अपने धन की परवाह नहीं कर सकते हैं। आप दयालु होंगे और हमेशा खुश रहेंगे। आपपर कर्ज का बोझ कभी नहीं होगा। आपको माता–पिता का सुख प्राप्त होगा। आप विद्वान होंगे।आप अपने माता–पिता से अधिक भाग्यशाली होंगे। तीर्थयात्रा से आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगेऔर आपका भाग्य चमकेगा। आप धार्मिक होंगे।

यदि आप दूसरों का धन हड़पने का प्रयास करेंगे, गलत काम करेंगे, अपने नाम पर तीन घर बनायेंगे, लोहे या मशीनरी से संबंधित किसी काम में शामिल होंगे या आपके घर में शीशम का पेड़ हुआ तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप दमा या फेफडे के रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। आपको संतान का सुख नहीं मिल सकताहै या आपको पुत्र या पौत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। आपको साहूकारी के व्यापार में हानिहो सकती है। आग के कारण आपको हानि हो सकती है। गलत कामों के कारण आप बदनामहो सकते हैं। आपकी नजर कमजोर हो सकती है। आप अमीरों को लूट कर गरीबों में धन बांट सकते हैं। आपमें प्रतिशोध की भावना उत्पन्न हो सकती है।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– दूसरों का धन न हड़पें।
2– अपने घर की छत पर ईंधन, लकड़ी आदि न रखें।

## उपाय :

1– माथे पर केसर का तिलक लगायें।
2– घर के अन्त में अंधेरे कमरे का निर्माण करें।

आपकी कुण्डली में राहु तीसरे भाव में स्थित है। आपका भविष्य सुनहरा होगा और भाग्य आपका साथ देगा। शत्रु आपके सामने आने का साहस नहीं करेंगे। आप अन्तर्ज्ञानी होंगे और आपको भविष्य में होने वाली घटना का दो साल पहले ही पता चल जायेगा। आपकी सभी मनोकामनायें पूर्णहोंगी। आपकी कलम तलवार से अधिक तेज होगी। आप भारी सम्पत्ति के मालिक होंगे और अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे। आपको संतान का पूर्ण सुख मिलेगा। आपका 22 साल प्रगति से भरा होगा। आप एक राजसी जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी धर्म में आस्था कम होगी। आप निडर, साहसी और वीर होंगे। आपको धन और जीवनसाथी का सुख मिलेगा। आपकी संतान भी धनी होगी। आपको समाज में उच्च स्थान प्राप्त

होगा।

यदि आपने अपने पास या घर पर हाथी दांत रखा, हाथियों के 3–3 खिलौने रखे, हाथी से संबंधित कोई व्यापार किया, बहन, पुत्री के धन का उपयोग किया तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके परिवार में कोई महिला विधवा होसकती है। आपके भाई को राहु का कम प्रभाव मिल सकता है। आपका भाई धोखे से आपके धनको हड़प सकता है। आप कर्ज के बोझ से दब सकते हैं, लेकिन आप अपनी बुद्धिमता से उससेबाहर निकल आयेंगे। आपको व्यवसाय में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपकीसंतान को 34 साल की आयु तक अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– अपने पास या घर पर हाथी दांत न रखें।
2– हाथियों के 3–3 खिलौने घर पर न रखें।

## उपाय :

1– ठोस चांदी घर पर न रखें।
2– कन्याओं की सेवा करें, दुर्गा सप्तसती का पाठ करें।

आपकी कुण्डली में केतु नौवें भाव में स्थित है। आपको पुत्रों के बजाय पुत्रियों से अधिक सुख प्राप्तहोगा। आप अन्तराष्ट्रीय स्तर के खिलाडी बन सकते हैं। आपका धन बढ़ेगा। आप शंकालु स्वभाव के हो सकते है। 40 साल की आयु तक आपको मिले जुले परिणाम प्राप्त होंगे। इसके बादआपका समय बहुत शुभ होगा और आप एक विलासपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिलाकर आपका जीवन खुशहाल और सुखी होगा।

यदि आपने अपने भाई के साथ झगड़ा किया या औरतों के साथ संबंध रखे तो आपका केतु कमजोर हो सकता है। यदि आपका केतु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका चरित्र खराब हो सकता है। इस कारण से आप या तो नपुंसक हो सकते हैं या आपके कई संताने हो सकती हैं। आपको संतान की प्राप्ति नहीं हो सकती है या आपको संतान गोद लेनी पड़ सकती है।इस कारण आपको बहुत परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपका भाई आपको बर्बाद कर सकता है या आपका धन हड़प सकता है। अन्य महिलाओं के साथ संबंध आपके वैवाहिक जीवन में कटुता ला सकते हैं। यह आपके लिये घातक हो सकता है। आपके धन का अपव्यय हो सकता है या आपकी अवनति हो सकती है। आपको 48 साल की आयु के आस–पास या अपनी माता की मृत्यु के बाद पुत्र सुख मिल सकता है।

**यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।**

## परहेज :

1– अपना चरित्र ठीक रखें।
2– कुत्तों से घृणा न करें।

## उपाय :

1– अपने घर की नींव में शहद से भरकर चांदी का पात्र रखें।
2– शहद से भरकर चांदी का पात्र घर में रखें।

# जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित कारण और उपाय

## (सभी भविष्यफल भाव चलित कुण्डली पर आधारित हैं)

### शिक्षा से संबंधित भविष्यफल और उपाय –

यदि आप परीक्षा में लाल रंग का पेन जिसका कैप सुनहरा हो, जिसमें किसी भी रंग की स्याही भरीहो, उसका इस्तेमाल करेंगे, तो परीक्षा में अवश्य उतीर्ण होंगे।

जेहि पर कृपा करहि जनु जानी। कबि उर अजिर नचावहि बानी।
मोरि सुधारिहि सो सब भांती। जासु कृपा नहिं कृपा अघाती।

इस चौपाई का 108 बार प्रतिदिन प्रातः काल जप करें।

ऊँ माँनिसाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतोः समाः।
यत् क्रौञ्चमिथुना देकमवधीः काममोहितम्।

इस मंत्र का प्रतिदिन प्रातःकाल जागते ही बिना किसी से बोले तीन बार जप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

जनक सुता जग जननी जानकी।
अजिसय प्रिय करूनानिधान की।
ताके जुग पद कमल मनावउँ।
जासु कृपा निर्मल मति पावउँ।

श्री जानकी अथवा श्री सीता राम जी के चित्रपट का पूजन करके इस मंत्र का 108 बार प्रतिदिन जाप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

बुद्धिहीन तनु जानि के, सुमिरौ पवन कुमार।
बल बुद्धि विद्यादेहु मोहिं हरहु कलेस विकार।।

श्री हनुमान जी की पूजा करके उपयुक्त दोहे का एक माला (108 बार) प्रतिदिन जाप करें। इससे बुद्धि एवं स्मरण शक्ति में वृद्धि होगी।

गुरु गृह गये पढ़न रघुराई।
अल्प काल विद्या सब आई।।

इस चौपाई का प्रतिदिन एक माला (108 बार) जाप करके विद्यालय जाने से निश्चय ही परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी।

लाल किताब के अनुसार, जो बच्चे पढ़ने में कमजोर हैं, उन्हें हरे रंग की तुरमली चाँदी की अंगुठी

या नेकलेस में पहनने से लाभ हो सकता है।

बृहस्पतिवार को पीले कपड़े मे 7 हल्दी की गांठें और बेसन के लड्डू बांधकर नदी में प्रवाहित करनेसे परीक्षा में अवश्य सफलता प्राप्त होगी।

'ऊँ नमः शिवाय' का जाप करके लाल धागे में दो पाँच मुखी रूद्राक्ष के बीच में एक छेद मुखी रूद्राक्ष को शिवलिंग से स्पर्श कराके धारण करें।

'ऊँ गंग गणपतेः नमः' नामक मंत्र को ग्यारह बार परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व जाप करें, परिणाम आपके पक्ष में होगा।

परीक्षा देने जाते समय किसी धार्मिक स्थान में आधा लीटर दूध दान करना उपयोगी साबित हो सकता है।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपकी संतान पढ़ने में कतरा रहा हो, या स्कूल ना जाने के लिए बहाने बनाती हो, या हठ करती हो, तो तांबे का एक चौकोर टुकड़ा सफेद धागे में बांधकर उसके गले में पहनायें।

'श्री कृष्ण प्रसंग' नामक मंत्र को पूष्य नक्षत्र या किसी शुभ दिन को लाल कलम से 17 बार सफेद पन्ने पर लिखकर परीक्षा के दौरान अपने जेब में रखें।

## स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय –

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आपको कोई गंभीर बीमारी होती है, तो आपको निम्न उपाय करना चाहिए– बुध से संबंधित वस्तुओं का प्रयोग ना करें।नौवें और ग्यारहवें भावों में स्थित ग्रहों के रंग के अनुसार, पत्थर जमीन में दबायें। सूर्य की वस्तुएं अपने पूर्वी दरवाजे पर ना लगायें।

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी स्त्री को ऐसा रोग लग सकता है, जिसका इलाज कठिन होगा। उपाय के तौर पर चाँदी के बर्तन में शहद भर कर उसे तालाब की मिट्टी से ढक दें।

आपकी कुण्डली में मंगल सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी पत्नी को गर्भाशय से संबंधित रोग या मासिक धर्म के समय अत्यधिक पीड़ा हो सकती है। उपाय के तौर पर आपको मिट्टी की दीवार को बार–बार बनाकर गिराना चाहिए। ठोस चाँदी अपने घर में रखने से भी आपको लाभ हो सकता है।

आपकी कुण्डली में राहु तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकी वाणी में दोष

जैसे– तुतलाना, हकलाना हो सकता है। उपाय के तौर पर हाथी दाँत से बनी हुई वस्तुओं को अपने घर में रखें। धातु या पत्थर से बना हुआ हाथी के जैसा खिलौना अपने घर में बिल्कुल ना रखें।

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको चर्म–रोग हो सकते हैं। गाय या बकरी का दान करें।

आपकी कुण्डली में अशुभ मंगल सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, वृद्धावस्था में आपको आंखों की कमजोरी या दिमागी असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है। चिरायता का सेवन करें।यदि आपके घर में कोई ना कोई हमेशा रोग ग्रस्त रह रहा है, बीमारी जाने का नाम नहींले रहा है, तो आपके घर में जितनी रोटी बनती है, उसमें चार मीठी रोटी जोड़कर महीने में एकबार अमावस्या या संक्रांति के दिन काले कौए, काली गाय या कुत्ते को खिलाना चाहिए, अथवा महीने में एक बार अन्दर से खोखले कद्दू को किसी धार्मिक स्थल पर दान करना चाहिए, अथवा रात को रोगी के सिरहाने एक, दो या पाँच रूपये का सिक्का रखकर प्रातः काल सफाई कर्मचारी को दान करें, अथवा यदि आप श्मशान से गुजर रहे हैं, तो एक या दो रूपये के सिक्के वहां जरूरफेंके।

## धन, ब्यापार और रोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय –

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले भाव में बैठा हुआ है, लाल किताब के अनुसार, आपको दूध और दूध से बनी हुई वस्तुओं का व्यापार बिल्कुल नहीं करना चाहिए, धन और आयु पर इसका बुरा प्रभाव हो सकता है।

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको दूध, नशीली दवाओं इत्यादि से संबंधित वस्तुओं का कारोबार नहीं करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, शनि नौवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको बृहस्पति और चंद्रमा से संबंधित वस्तुओं के कारोबार से लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में, शनि नौवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको ठेकेदारी के कार्यों से अधिक लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में, सूर्य राहु, केतु अथवा शनि के साथ स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने जीवन में धन की कमी महसूस होगी।

आपकी कुण्डली में, सूर्य तीसरे भाव में एवं इसके शत्रु ग्रह नौवें या ग्यारहवें भाव में स्थित हैं। लालकिताब के अनुसार, आपको परदेश में सोच–समझकर रहना चाहिए, अन्यथा धन हानि हो सकती

है।

आपकी कुण्डली में, शनि नौवें भाव में स्थित है एवं दूसरा भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार,आप आर्थिक रूप से सुदृढ़ होते हुए भी निर्धनों जैसा जीवन व्यतीत करेंगे।

आपकी कुण्डली में, राहु–सूर्य, राहु–चंद्रमा, केतु–सूर्य या केतु–चंद्रमा एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको नौकरी और आर्थिक मामलों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में, बुध, मंगल या शनि या राहु एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपके व्यापार में घाटा एवं चोरी हो सकती है।

आपकी कुण्डली में, सूर्य तीसरे भाव में और उसके शत्रु ग्रह नौवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब केअनुसार, आपको धन की कमी हो सकती है।

आपकी कुण्डली में, चंद्रमा पहले भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको दूध द्वारा बनीहुई वस्तुएं या दूध के व्यापार से हानि हो सकती है।

आपकी कुण्डली में, मंगल सातवें भाव में स्थित है। यदि आप परचून या जनरल स्टोर के मालिक हैं, तो आपको लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में शनि नौवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप लकड़ी से बनेफर्नीचर अथवा अन्य सामानों का व्यापार करते हैं, तो लाभ की स्थिति में रहेंगे।

## मकान से संबंधित महत्वपूर्ण योग, सावधानियाँ और उपाय –

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले भाव में स्थित है। यदि आप अपनी उम्र के 24वें वर्ष से पहले अपना मकान बनवाते हैं, तो लाल किताब के अनुसार, आपको धन हानि हो सकती है। माता और संतान के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। उपाय के तौर पर जमीन में सौंफ दबायें।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा दक्षिण की तरफ है और मकान से बाहर निकलते समय सीधेहाथ पर रसोई और सामने स्नानघर या पानी का स्थान हो तो आपको कोई ना कोई कष्ट हो सकता है। धन हानि की भी संभावना है।

यदि आपके मकान पर किसी पेड़ की छाया पड़ रही है, तो यह मंगल के शुभ प्रभाव को नष्ट कर देता है।

यदि आपके मकान की दीवार के पास कटा और सूखा पीपल का पेड़ है, तो आपके परिवार और धन संपत्ति पर इसका बुरा असर पड़ेगा। मंगल का प्रभाव अशुभ हो

जायेगा।

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप दक्षिणमुखी घरमें रह रहे हैं, तो यह आपके लिए हर प्रकार से नुकसानदायक होगा।

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप बंद कुएं या कुएं पर छत डालकर मकान बनवाते हैं, तो आपको पुत्र सुख में कमी आयेगी।

आपकी कुण्डली में शनि नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, 36 वर्ष की उम्र तक आपके पास तीन मकान होंगे, परन्तु चौथे मकान के बारे में आपको सोचना भी नहीं है, अन्यथा धनहानि, शारीरिक कष्ट और संतान पक्ष कमजोर हो सकता है।

लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपने मकान के अंतिम कोठरी में रोशनी के लिए खिड़की खोलें, तो एक वर्ष के अन्दर आप बर्बाद हो सकते हैं।

यदि आपका मकान बंद गली के अन्तिम सिरे पर स्थित है, और उसमें हवा सीधे आती है, तो आपके संतान पर इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। ऐसे मकान में कभी ना रहें।

यदि आपके मकान पर किसी धार्मिक स्थल आदि की छाया पड़ रही है, तो घर में बीमारियां परेशानकरती रहेंगी।

रसोई घर में खाना बनाने का चुल्हा और बर्तन धोने का स्थान एक ही प्लेटफार्म पर नहीं होना चाहिए, अन्यथा घर में कलह होती रहेगी। उपाय के तौर पर इन दोनों स्थानों के मध्य पंचमुखी हनुमान का चित्र लगायें।

घर के अन्दर यदि लोहे की चारपाई हो, तो पूर्व–दक्षिण दिशा में बिछायें।

घर के मालिक को दक्षिण–पश्चिम के कोने में सोना चाहिए।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार, स्त्रियों के लिए हानिकारक होगा। ऐसे मकान में केवल विधुर पुरूष ही सुखपूर्वक रह सकते हैं। यदि आप मुख्य द्वार पर तांबे की कील गाड़े, तो स्थिति सुखद हो सकती है। चाँदी की चौड़ी पत्ती दरवाजा के एककोने से दूसरे कोने तक बिछा सकते हैं। घर पर मिट्टी का बंदर रखें, जिसका मुहं दक्षिण दिशा की ओर हो। बकरी का दान करें। दिन के दो बजे के बाद साबूत मूंग की दाल किसी धार्मिक स्थल पर दान करें।

यदि आपके मकान में कोई मिट्टी वाला स्थान नहीं है, तो यह परिवार की स्त्रियों के लिए हानिकारक हो सकता है और धन सम्पत्ति पर भी बुरा असर हो सकता है। निम्न उपाय करने से स्थिति सुखद हो सकती है। मिट्टी की बनी हुई औरत की मूर्ति घर में रखें। सफेद रूमाल में कपूरकी टिकिया, देशी घी और रूई बांधकर रखें। घर में छोटे–मोटे कार्य करने के लिए नौकरानी

रखें।

यदि आपके मकान में धन रखने के लिए तिजोरी, आला या तहखाना बना हुआ है, तो उसे बिल्कुलखाली ना रखें। बादाम अथवा छुआरे रख सकते हैं।

यदि आपके मकान में कोई अंधेरी कोठरी है, तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान ना खोलें।

यदि आपको अपने घर की छत बदलनी है, तो पहले एक अस्थाई छत पुरानी छत के ऊपर बनायें।

लाल किताब के अनुसार, घर के मुख्य द्वार से बाहर निकलते समय सीधे हाथ की तरफ पानी का स्थान और उलटे हाथ की तरफ या पीठ की तरफ रसोई होना उत्तम होता है।

यदि आपके मकान पर पीपल इत्यादि की छाया पड़ रही है, तो यह आपके तरक्की के लिए नुकसानदायक हैं। आपको उस पीपल की जड़ में जल चढ़ाना चाहिए।

यदि आपके मकान के आस–पास कुआं है, तो उसमें भूलकर भी कुड़ा–करकट ना डालें। प्रतिदिन उसमें दूध डालने से आपकी उन्नति होगी।

घर के अन्दर किकर का पेड़ ना लगायें।

मकान या प्लाट का मुख्य द्वार उत्तर–पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

आपकी चंद्र राशि– वृष, कन्या या मकर है। आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में भी हो, तोआपको कोई हानि नहीं होगी।

लाल किताब के अनुसार, सफेद रंग या पेन्ट का प्रयोग मकान में सभी जगह किया जा सकता है।नीले रंग या पेन्ट का प्रयोग शयन कक्ष या कान्फेंस हाल में करें।

हरे या क्रीम रंग का प्रयोग अध्ययन कक्ष में करें।

गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग भोजनालय में करें। पुलिस या मिलिट्री के स्थान पर लाल रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर है, तो उसमें सफेद रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो उसमें लाल, गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में है, तो उसमें हरे या पीले रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में है, तो उसमें नीले या हल्के रंग का प्रयोग

करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण–पूर्व दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण–पश्चिम दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर–पश्चिम दिशा में है, तो आपको अपने मकान में सफेद रंग का प्रयोग करना चाहिए।

आपको अपने मकान का मुख्य द्वार मकान के कम चौड़ाई वाले हिस्से में रखना चाहिए। यदि आपकेमकान का मुख्य द्वार दो पल्लों का है, तो यह आपको अधिक लाभकारी होगा। यदि मुख्य द्वारअन्दर की तरफ खुलता है, तो यह अधिक लाभकारी होगा।

आपको अपने मकान के उत्तर और पूर्व दिशा में दक्षिण और पश्चिम दिशा से अधिक खुला स्थान रखना चाहिए।

आपको अपने मकान की दक्षिण और पश्चिम की दीवार ज्यादा मोटी और ज्यादा ऊँची रखनी चाहिए।

मकान की छत की ढलान उत्तर, पूर्व या उत्तर–पूर्व में होनी चाहिए।

अपने घर के प्रत्येक कमरे का उत्तर–पूर्व वाला कोना खाली रखें।

मकान में बरामदा और खुली छत उत्तर और पूर्व में होनी चाहिए।

मकान में बालकनी उत्तर और पूर्व में होना चाहिए। बेसमेन्ट उत्तर–पूर्वी भाग में होनी चाहिए।

यदि मकान में पत्थर की मूर्ति लगा रहे हैं, तो उसे दक्षिण–पश्चिम दिशा में लगायें।

मकान के दक्षिण–पश्चिम वाले हिस्से में सम संख्या में वृक्ष लगायें।

मकान में तुलसी जी का पौधा पूर्व, उत्तर या उत्तर–पूर्व में लगायें।

मकान में खिड़कियों की संख्या उत्तर और पूर्व दिशा में अधिक होनी चाहिए। दरवाजे और खिडकियोंकी संख्या सम होनी चाहिए, परन्तु संख्या का अन्त 10, 20 इत्यादि से नहीं होना चाहिए।

मकान में सीढ़ियां दक्षिण, पश्चिम या ईशान कोण को छोड़कर कहीं भी बनाई जा सकती हैं। सीढ़ियों की संख्या विषम होनी चाहिए। सीढ़ियों का घुमाव दक्षिणावर्ती होना चाहिए।

यदि आप अपने मकान में पानी का हौज बनवा रहे हैं, तो उसे उत्तर–पूर्व में बनवायें, यह काफी लाभदायक

होगा।

यदि आप छत पर पानी की टंकी रखवा रहे हैं, तो उसे उत्तर–पश्चिम दिशा में रखवायें। टंकी का रंग काला अथवा नीला हो तो बढ़िया रहेगा।

मकान में पूजा का स्थान ईशान, पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। भगवान की मूर्ति का मुख उत्तर या पूर्व की ओर रखें। पूजा घर का आकार पिरामिड जैसा रखें। पूजा घर के फर्श का रंग सफेद या हल्का पीला होना चाहिए। पूजा घर के दीवारों का रंग क्रीम, सफेद या हल्का नीला रखें।

मकान में रसोई घर दक्षिण–पूर्व दिशा में होना चाहिए। खाना बनाते समय अपना मुख पूर्व की ओर रखें। रसोई घर की खिड़कियां पूर्व और दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

मकान में भोजनकक्ष पश्चिम दिशा में रखें। खाने की मेज आयताकार या वर्गाकार होनी चाहिए।

मकान में स्नानागार पूर्व, उत्तर या उत्तर–पश्चिम भाग में रखें।

मकान का शौचालय दक्षिण दिशा में होना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, शनि नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आपकी पत्नी गर्भवती हैं, तो उस समय मकान का निर्माण आरम्भ ना करें, और एक से अधिक मकान ना बनवायें।

## विवाह, स्त्री और गृहस्थ–सुख से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय –

आपकी कुण्डली में, चंद्रमा लग्न में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, 24वें से 27वें वर्ष के बीच में विवाह ना करें।

आपकी कुण्डली में, शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने जीवनसाथी का नाम बदलकर दोबारा विवाह करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, सूर्य शुभ भावों में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी स्त्री सुन्दर, सुघड़ और शिक्षित होगी।

आपकी कुण्डली में राहु पहले, तीसरे, सातवें या ग्यारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपका अपनी पत्नी के साथ मनमुटाव रहेगा। उपाय के तौर पर कन्या के पिता को चाहिए कि कन्यादान के समय अपनी पुत्री को चाँदी की ईंट भेंट करें और कन्या उसे अपने पास हमेशा रखें।

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, 22, 24, 29, 32, 39

या 45वें वर्ष में विवाह हरगिज ना करें, अन्यथा आपको एक से अधिक विवाह करना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य, बुध और राहु एक साथ स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपका एक से अधिक विवाह हो सकता है।

आपकी कुण्डली में शुक्र तीसरे, चौथे, पाँचवें, छठे, नौवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी उम्र लंबी होगी।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति या केतु की दृष्टि शनि पर पड़ रही है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी जीवनसाथी का पूर्ण सुख प्राप्त होगा और आपकी पत्नी सुन्दर और सुघड़ होंगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी जीवनसाथी/प्रेमिका से धन की प्राप्ति होगी।

आपकी कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको दूसरी स्त्रियों से संबंध नहीं रखना चाहिए, अन्यथा आपको कष्ट हो सकता है।शीघ्र विवाह हेतु– मंगल–पार्वती स्त्रोत का पाठ प्रतिदिन करें।

शीघ्र विवाह हेतु– स्नान के पश्चात कांसे की कटोरी में सरसों का तेल भरकर मुहुर्त देखकर छाया पात्र निकालें।

शीघ्र विवाह हेतु– पीले वस्त्र में चने की दाल बांधकर बृहस्पतिवार के दिन किसी मंदिर में दान करें।

यदि विवाह में अत्यधिक विलम्ब हो रहा है, तो वाल्मिकी रामायण के बाल–काण्ड के सर्ग 73 का 43 दिन तक लगातार पाठ करें।

शीघ्र विवाह हेतु दुर्गा सप्तशती के श्लोकों का पाठ 43 दिन तक लगातार करें।

शीघ्र विवाह हेतु सात सोमवार शिवलिंग पर दूध चढ़ायें।

## संतान सुख से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय –

आपकी कुण्डली में, केतु नौवें भाव में एवं सूर्य या चंद्रमा या मंगल तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने संतान के जन्म के समय विशेष सावधानी बरतनी होगी।

आपकी कुण्डली में, शनि और राहु या शनि और केतु नौवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के

अनुसार, आपकी संतान को कष्ट हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने जीवनसाथी से पुनर्विवाह करना चाहिए, जिससे संतान संबंधित बाधायें खत्म हो जायेंगी।

आपकी कुण्डली में, बुध तीसरे भाव में एवं शुक्र चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान की प्राप्ति 24वें साल के बाद ही होगी।

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको धर्म के नामपर चंदा या दान नहीं लेना चाहिए, अन्यथा आपका संतान पक्ष कमजोर हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति पहले से छठे भाव के बीच स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकेपिता की आयु लम्बी होगी और उनका आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा।

यदि आप बंद गली के मकान में रहते हैं तो आपको संतान संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़सकता है और नर संतान की प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। उपाय के तौर पर आपको बृहस्पतिवार से लगातार 43 दिन तक प्रतिदिन केसर का तिलक लगाना चाहिए।

यदि आप संतान संबंधी समस्या से ग्रस्त हैं, तो आपको अपने घर में हरिवंश पुराण या महाभारत कापाठ करना चाहिए।

यदि आप कुत्ते के नर संतान को अपने घर में रखते हैं, तो आपको संतान अवश्य होगी।

संतान की प्राप्ति के लिए गणेश जी की पूजा करना लाभदायक होता है।

यदि आपको संतान संबंधी कोई समस्या है, तो काले कुत्ते की सेवा करना या उसे अपने घर पर रखकर खाना खिलाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

यदि किसी स्त्री को संतान हो, परन्तु जीवित ना रहे, तो लाल किताब में ऐसी स्थिति से बचाव के लिए बहुत ही साधारण और सफल उपाय बताया गया है– स्त्री के गर्भवती होने पर उसके बाजु परलाल धागा बांध दें और संतान होने के पश्चात उस धागे को नवजात शिशु के बाजु पर बांध दें और स्त्री को नया लाल धागा पुनः बांधें। स्त्री के बाजु पर 18 महीने तक बंधा रहना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी स्त्री का बार–बार गर्भपात होता है, तो काला धागा उसकी कमर में बांधें और संतान के जन्म के बाद यह धागा संतान के बाजु पर बांधें।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की संतान जीवित नहीं रहती है, तो संतान के जन्मदिन पर मिठाई की जगह नमकीन खाद्य पदार्थ वितरण करना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, प्रसव के समय स्त्री को शारीरिक कष्ट से बचाने और नवजात शिशु के स्वास्थ्य के लिए प्रसव पीड़ा के समय दो पीतल के बर्तन लेकर एक में मीठी वस्तु और दूसरे में दूध भर के स्त्री के हाथ से स्पर्श करवाकर रखना चाहिए, और शिशु के जन्म के बाद से किसी

धार्मिक स्थान में दान करना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की नर संतान जीवित न रहती हो, तो उन्हें किसी धार्मिक स्थान में शिशु को जन्म देना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि संतान को कष्ट हो, तो गाय, कौए अथवा कुत्तों को अपने भोजन का एक हिस्सा दें।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपके घर में एक छत को ढक कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

लाल किताब के अनुसार, आपके घर में कुएं को ढक कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

## विदेश यात्रा और भ्रमण से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय –

आपकी कुण्डली में, सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आप राजकीय कार्यों सेसंबंधित अनके यात्रायें करेंगे।

आपकी कुण्डली में, बुध तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके जीवन में व्यापारसे संबंधित यात्रायें अधिक होंगी।

आपकी कुण्डली में, राहु तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके लिए यात्रायें प्रायः हानिकारक होंगी। यात्रा के दौरान आपको सावधान और सचेत रहना पड़ेगा।

# लाल किताब में अन्य महत्वपूर्ण फलादेश

## (सभी भविष्यफल भाव चलित कुण्डली पर आधारित हैं)

### अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह में बैठ जायें, तो ऐसीकुण्डली को अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से संबद्ध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक परस्पर शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्तिथि पैदा हो जाती है। जातक की नौकरी या व्यापार में स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंधोंको भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष– आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

### आधे अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि चौथे भाव में सूर्य और सातवें भाव में शनि स्थित हों तो ऐसी कुण्डली को आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली कहते हैं। इस ग्रह की स्थिति का जातक की मानसिक स्थिति और व्यवसायिकजीवन पर अशुभ असर होगा। जातक की मानसिक शांति में काफी कमी आ सकती है। चौथा भाव हमारे सुख का भी घर है, इस ग्रह स्थिति के कारण गृहस्थ सुख में कमी आने की संभावना होती है।

निष्कर्ष– आपकी कुण्डली आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

### धर्मी कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली में राहु या केतु 4थे भाव में या चन्द्रमा के साथ अथवा शनि 11वें भाव में या बृहस्पति के साथ बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली को धर्मी कुण्डली (टेवा) कहते हैं। ऐसे जातक के जीवन में कभी भी कोई बड़ी समस्या नही आ सकती है, जो कि जीवन में उथल–पुथल मचा दे। किसी बहुत मुश्किल या कष्ट के समय उसे कहीं न कहीं से दैवीय सहायता प्राप्त हो जाएगी।

निष्कर्ष– यह कुण्डली धर्मी कुण्डली (टेवा) नहीं है।

### नाबालिक कुण्डली (टेवा)

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली के पहले, चौथे, सातवें और दसवें भाव (केन्द्र स्थान) में कोई भी ग्रहनहीं बैठा हुआ है या उनमें केवल बुध बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली, नाबालिक टेवा (कुण्डली) कहलातीहै। इस स्थिति में जातक की किस्मत बारह साल तक शक के दायरे में होती है।

लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक–एक ग्रह का प्रभाव अग्रलिखित रूप में पड़ेगा। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1– उम्र के पहले साल में सातवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
2– उम्र के दूसरे साल में चौथे भाव के ग्रह का असर पड़ता

है।
3– उम्र के तीसरे साल में नौवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
4– उम्र के चौथे साल में दसवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
5– उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
6– उम्र के छठें साल में तीसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
7– उम्र के सातवें साल में दूसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
8– उम्र के आठवें साल में पांचवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
9– उम्र के नौवें साल में छठे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
10– उम्र के दसवें साल में बारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
11– उम्र के ग्यारहवें साल में पहले भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
12– उम्र के बारहवें साल में आठवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष– यह कुण्डली (टेवा) नाबालिक टेवा नहीं है।

## लाल किताब में राजयोग

लाल किताब में राजयोग का यह मतलब नहीं है, कि ऐसा जातक कोई बड़ा राजा, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ही हो, अपितु राजयोग से कुण्डली में यह संकेत मिलता है, कि जातक के रहन–सहन का स्तर राजाओं की तरह जरूर हो सकता है।

आपकी कुण्डली में राजयोग की कोई भी स्थिति लागू नहीं हो रही है।

## लाल किताब में ऋण – लक्षण और उपाय

आपकी कुण्डली में कोई ऋण लागू नहीं हो रहा है।

## लाल किताब में वर्जित और अवर्जित उपाय

(1) आपकी कुण्डली में, राहु उच्च का है, आपको राहु से संबंधित वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए।

(2) आपकी कुण्डली में, केतु उच्च का है, आपको केतु से संबंधित वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए।

(3) आपकी कुण्डली में बुध तीसरे, आठवें, नौवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने घर में चौड़े पत्तों वाले पौधे जैसे मनी प्लांट इत्यादि नहीं लगाना चाहिए, अन्यथा आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा।

(4) यदि आपके घर के आखिरी में अंधेरी कोठरी है, जिसमें दरवाजे के अतिरिक्त रोशनी आपने के लिए कोई भी जगह नहीं है, तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान या खिड़की नहीं खोलनी चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर इसका बुरा असर पड़ सकता है।

किसी कारणवश ऐसी कोठरी की छत बदलवानी पड़े तो पुरानी छत को गिराने से पहले उस कोठरी के उपर नई छत डलवा लें।

(5) यदि आपके घर में सोने–चांदी के गहनों या रूपये–पैसे रखने के लिए सेफ, आलमारी, तिजोरी

इत्यादि है, तो उसे कभी भी पूरी तरह खाली नहीं रखें।

(6) अपने मकान के कुछ हिस्सों में मिट्टी वाला स्थान अवश्य रखें।

(7) दक्षिणमुखी मकान में ना रहें।

(8) झूठ ना बोलें।

(9) झूठी गवाही ना दें।

(10) अपशब्द ना बोलें।

(11) किसी को गाली न दें।

(12) क्रूरता न करें।

(13) ईश्वर पर विश्वास रखें।

(14) देवी–देवताओं की उपासना श्रद्धापूर्वक करें।

(15) मांस–मछली ना खायें।

(16) शराब का सेवन ना करें।

(17) कपड़े सलीके से पहनें।

(18) कान–नाक छिदवायें।

(19) दांत साफ रखें।

(20) संयुक्त परिवार में रहें।

(21) ससुराल से मधुर संबंध बनाकर रखें।

(22) कन्याओं की पूजा करें। उन्हें हरे वस्त्र, उत्तम भोजन आदि देकर प्रसन्न रखें।

(23) बहन–बेटी को मीठी वस्तुओं का उपहार दें।

(24) जिस प्रकार माता की सेवा करते हैं, उसी प्रकार जीवनसाथी का भी उचित देखभाल करें।

(25) भाभी (बड़े भाई की जीवनसाथी) की सेवा करें।

(26) परिवार के सदस्यों का पालन

करें।

(27) मुफत में किसी से कुछ ना लें।

(28) निःसंतान की संपत्ति ना लें।

(29) बड़ों के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद प्राप्त करें।

(30) यथा संभव दक्षिणमुखी मकान में ना रहें।

(31) घर की छत में छेद ना रखें।

(32) घर में थोड़ी बहुत कच्ची जगह अवश्य रखें।

(33) विकलांगों को भोजन दें, उनकी सहायता करें।

(34) पड़ोस में कोई असहाय विधवा हो, तो उनकी सहायता करें।

(35) मनुष्येत्तर जीवों– गाय, कुत्ता, कौवा, बन्दर आदि को भोजन दें।

(36) काने और गंजे आदमी से सावधान रहें।

(37) नाक को हमेशा साफ रखें।

# लाल किताब में एक साथ बैठे ग्रहों का फल

## (सभी भविष्यफल भाव चलित कुण्डली पर आधारित हैं)

आपकी कुण्डली में, सूर्य और बुध एक साथ तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यहयुति बृहस्पति का परिणाम प्रदान करती है। सूर्य और बुध की युति आपको शुभ परिणाम प्रदान करेगी। इन परिणामों का लाभ आपको अपनी आयु के 39वें वर्ष तक प्राप्त होगा। बुध की अपेक्षा सूर्य आपको अधिक परिणाम प्रदान करेगा, जो प्रायः अशुभ नहीं होंगे। इस युति में बुध कमजोर रहता है। बुध से जुड़ी हुई चीजें सूर्य की सहायता करती हैं। अगर आप स्वयं पर यकीन रखकर आत्म–विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे, तो आपको सफलता और लाभ प्राप्त होंगे। युवावस्था में आपकाभाग्योदय होगा। आप बिना किसी सहारे के आगे बढ़ेंगे। आपकी जीवनसाथी दृढ़ मनोशक्ति वाली होंगी। उनके चेहरे पर कोई निशान हो सकता है। आप रोग मुक्त रहेंगे और आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। आप पर राहु का अशुभ प्रभाव नहीं होगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु एक साथ तीसरे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह अति अशुभ युति है। आपकी 42 वर्ष की आयु में राहु आपकी संतान को कष्ट पहुंचा सकता है। आपको धन की हानि हो सकती है। आपको सरकारी कार्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अशुभता को दूर करने के लिए उपाय भी करते हैं, तो राहु का समय पूर्ण होने के बाद ही सूर्य अपना पूर्ण प्रभाव देगा। सूर्य का प्रभाव आपके लिए शुभ होगा। अशुभ प्रभाव मिलने पर आपके विचार कलुषित और द्वेषपूर्ण हो सकते हैं। आपके घर में चोरी हो सकती है या आपको आर्थिक नुकसान हो सकता है, जिससे आपकी स्थिति खराब हो सकती है। ऐसा होने पर आप एक कपड़े में जौ के थोड़े दाने बांधकर घर के अंधेरे हिस्से में किसी वजनदार चीज से दबाकर रख दें। यदि आप अस्वस्थ है या आपको बुखार आता हो, तो आप जौ को गोमूत्र से धोकरनदी में बहा दें। राहु से संबंधित चीजें, जैसे बादाम, नारियल को बहते पानी में प्रवाहित करें। तांबे के सिक्के को रात्रि में आग में तपाकर सुबह बहते पानी में प्रवाहित करें। सिक्का प्रवाहित करने के तुरन्त बाद आपको पुत्र और नजदीकी संबंधियों के सामने नहीं जाना चाहिए– उन पर सूर्य और राहु का अशुभ प्रभाव हो सकता है।

आपकी कुण्डली में बुध और राहु एक साथ तीसरे भाव में स्थित हैं। इस युति के कारण चंद्रमा औरबृहस्पति का प्रभाव प्रायः मंदा होता है। यह युति चंद्रमा और बृहस्पति के मिलने वाले परिणामों से आपको वंचित कर सकती है। इस युति के अशुभ परिणाम आपको 34 वर्ष की आयु तक प्राप्त हो सकते हैं। आपकी बहन धनवान होंगी। अशुभता होने पर आपकी बहन के पति को मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है या आपकी बहन का उनसे तलाक हो सकता है अथवा वह स्वयं घर छोड़कर जा सकती हैं। उपाय– यदि आपके घर में पश्चिम दिशा में ऊपरी भाग में रसोई घर है, तो उसे बहन या पुत्री के विवाह से पहले हटाकर दूसरी जगह पर बनवा लें। पश्चिम दिशा में दीवार के पास स्थित चूल्हा, भट्ठी, स्टोव आदि को वहां से हटा दें अथवा आप इनके सामने एक दीवार भी बनवा सकते हैं। चंद्रमा से संबंधित चीजें श्मशान में जमीन में दबा दें। श्मशान का जल लाकर घर में स्थापति करें। मिट्टी की सौ गोलियां बनाकर रोज उसे किसी धर्मस्थान में जाकर सौ दिन तक रखें। इस प्रयोग को भंग ना होने दें। यदि कभी बाहर जाना पड़े तो यह प्रयोग वहां पर भी करते रहें।

आपकी कुण्डली में, शनि और केतु एक साथ नौवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह

युति शुभ परिणाम प्रदान करती है। इसमें शनि की प्रमुख भूमिका होती है। इस युति के किसी अन्यग्रह से जुड़ने पर तीनों का प्रभाव मंद पड़ जायेगा। आपके भाग्य का निर्णय आपकी 18 वर्ष की आयु के बाद होगा। आपमें संतानोत्पत्ति की क्षमता अधिक होगी। आपको एक रंग का जानवर ही पालना चाहिए। एक से अधिक रंगो का (चितकबरा) जानवर पालने से शनि और केतु अशुभ हो जायेंगे। घोड़ा पालने से कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आपका कुटुम्ब बड़ा और बहुत सम्पन्न होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, सूर्य, बुध और राहु की त्रिग्रही युति किसी भी भाव में स्थित है। आपका एक से अधिक विवाह होने पर आपकी संतानों की संख्या कम हो सकती है। आपकी नौकरी पर सूर्य का कोई अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा। लेकिन बुध की चीजों, व्यवसाय और महिला संबंधियों के पतियों का सूर्य अशुभ हो सकता है। आपको चंद्रमा का उपाय करना चाहिए।

**Sample**

# लाल–किताब वर्षफल

## ( 18:12:2020 - 17:12:2021 )


**Ramesh Parbhakar**

---

**347/7 Red Rose Building**

**Shiv Mohalla Sangam Market**

**Ladwa, Kurukshtra- 136132**

**Contact - 9812560311, 9466960753**

# लाल किताब वर्षफल (भाव चलित)

## वर्षफल कुण्डली –48

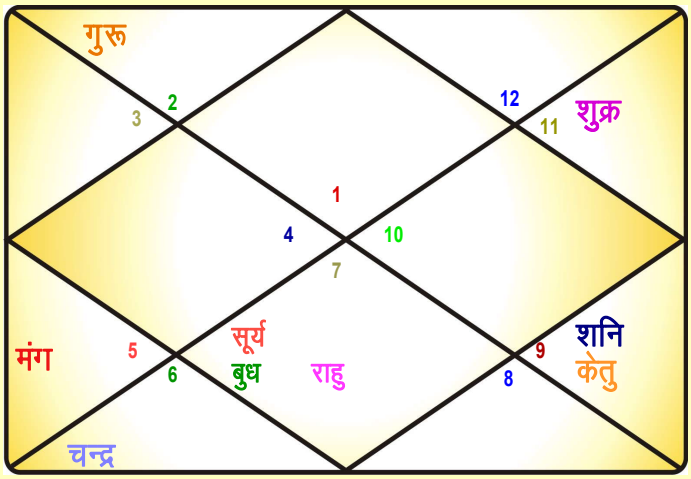


18:12:2020 -- 17:12:2021

लग्न कुण्डली

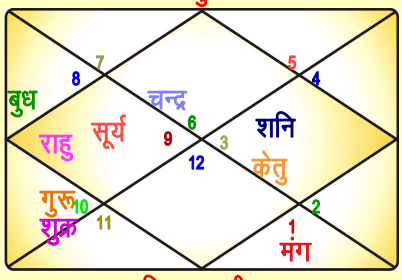


भाव चलित कुण्डली

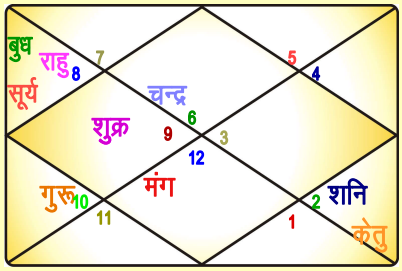


धोखे का ग्रह : शनि केतु  राशि नम्बर का ग्रह : शनि

### लाल किताब से वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

| ग्रह | भावस्थ | प्रभाव | पक्का घर | भाग्योदय का ग्रह | साथी ग्रह | कायम ग्रह | धर्मी | सोया | विशेष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य (बद) | सप्तम् | ग्रह | | | | | | हाँ | अशुभ भाव में |
| चन्द्रमा | षष्टम् | राशि | | | | | | हाँ | अशुभ भाव में |
| मंगल | पंचम् | राशि | | | | हाँ | | | शुभ भाव में |
| बुध (बद) | सप्तम् | ग्रह | हाँ | | | हाँ | | | शुभ भाव में |
| गुरू (बद) | द्वितीय | ग्रह | हाँ | | | हाँ | | | शुभ भाव में |
| शुक्र (बद) | एकादश | राशि | | | | हाँ | | हाँ | |
| शनि | नवम् | राशि | | | | | | हाँ | शुभ भाव में |
| राहु (बद) | सप्तम् | राशि | | | | | | हाँ | अशुभ भाव में |
| केतु | नवम् | ग्रह | | | | | | हाँ | शुभ भाव में |

### लाल किताब से वर्षफल में भावों (खानों) की स्थिति

| खाना न॰ | खाना न॰ | मालिक | पक्का घर | सोया | उच्च | नीच | किस्मत को जगाने |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | | मंगल | सूर्य | हाँ | सूर्य | शनि | मंगल |
| २ | गुरू | शुक्र | गुरू | | चन्द्रमा | | चन्द्रमा |
| ३ | | बुध | मंगल | हाँ | राहु | केतु | बुध |
| ४ | | चन्द्रमा | चन्द्रमा | हाँ | गुरू | मंगल | चन्द्रमा |
| ५ | मंगल | सूर्य | गुरू | | | | सूर्य |
| ६ | चन्द्रमा | बुध | बुध केतु | | बुध राहु | शुक्र केतु | केतु |
| ७ | सूर्य, बुध, राहु | शुक्र | शुक्र बुध | | शनि | | शुक्र |
| ८ | | मंगल | मंगल शनि | हाँ | | चन्द्रमा | चन्द्रमा |
| ९ | शनि, केतु | गुरू | गुरू | | केतु | राहु | शनि |
| १० | | शनि | शनि | हाँ | मंगल | गुरू | शनि |
| ११ | शुक्र | शनि | शनि | | | | गुरू |
| १२ | | गुरू | गुरू | | शुक्र केतु | बुध राहु | राहु |

# भाव चलित कुण्डली वर्षफल (48) में ग्रहों की दृष्टि

## 18:12:2020 -- 17:12:2021

### लाल किताब की सामान्य दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | | | | | | | अर्द्ध | | अर्द्ध |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | चतुर्थ | | | | | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | | | | | | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | | | | | | | | |

### ग्रहों की दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | | | | | | | | | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | 0 | | | | | | | |
| शुक्र | | | 0 | | | | | | |
| शनि | | 0 | | | | 0 | | | |
| राहु | | | | | | 0 | | | |
| केतु | | | 0 | | | | | | |

### लाल किताब में टक्कर की दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | 0 | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | | | | | | | | | |
| बुध | | | | | 0 | | | | |
| गुरू | | | | | | | 0 | | 0 |
| शुक्र | | 0 | | | | | | | |
| शनि | | | | | | | | | |
| राहु | | | | | 0 | | | | |
| केतु | | | | | | | | | |

### लाल किताब में पाये की दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | 0 | | | | |
| मंगल | | | | | | | | | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | | | | | | | | |
| शुक्र | 0 | | | 0 | | | | 0 | |
| शनि | | | 0 | | | | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | | 0 | | | | | | |

### लाल किताब में विश्वासघात की दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | | | | | 0 | | | | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | | | | | 0 | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | 0 | | | | | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | 0 | | | | | | | |

### लाल किताब में सहचरी दिवार दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | | | | |
| चन्द्रमा | 0 | | | 0 | | | | 0 | |
| मंगल | | 0 | | | | | | | |
| बुध | | | | | | | | | |
| गुरू | | | | | | | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | | | | | | | | |
| राहु | | | | | | | | | |
| केतु | | | | | | | | | |

### लाल किताब में अचानक प्रहार दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | 0 | | | | 0 | | 0 |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | 0 | | | 0 | | | | 0 | |
| बुध | | | 0 | | | | 0 | | 0 |
| गुरू | | | | | | | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | 0 | | | 0 | | | | 0 | |
| राहु | | | 0 | | | | 0 | | 0 |
| केतु | 0 | | | 0 | | | | 0 | |

### लाल किताब में परस्पर सहयोग दृष्टि

| | सू0 | च0 | मं0 | बु0 | गु0 | शु0 | श0 | रा0 | के0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | | | | | 0 | | | |
| चन्द्रमा | | | | | | | | | |
| मंगल | | | | | | | 0 | | 0 |
| बुध | | | | | | 0 | | | |
| गुरू | | 0 | | | | | | | |
| शुक्र | | | | | | | | | |
| शनि | | | | | | | | | |
| राहु | | | | | | 0 | | | |
| केतु | | | | | | | | | |

# लाल किताब से वर्षफल

## (सभी भविष्यफल भाव चलित कुण्डली पर आधारित हैं)

**वर्ष पूर्ण – 48**

**( 18:12:2020 - 17:12:2021 )**

## सातवें भाव में स्थित सूर्य का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली सूर्य की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।**

### आपके वर्षफल में सूर्य की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में सूर्य अपने शत्रु के पक्के घर में बैठा है।
आपकी कुण्डली में सूर्य अपने शत्रु राहु के साथ बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता लगी रहेगी। आपके घर में अग्निकांड हो सकते हैं। पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। व्यर्थ की धन हानि होने से आपकी मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप साझेदारी मेंव्यवसाय करते हैं तो आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

### वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) कोई भी कार्य मीठी चीज खाकर और पानी पी कर शुरू करें।
(२) अग्नि में आहुति दें।
(३) नमक कम खायें।
(४) जमीन में तांबे के सात चौकोर टुकड़े दबायें।

## छठवें भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली चन्द्रमा की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।**

### आपके वर्षफल में चन्द्रमा की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में चन्द्रमा अपने शत्रु के पक्के घर में बैठा

है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके अधीनस्थ कर्मचारी आपके लिए परेशानियां खड़ी कर सकते हैं। आपकी माताका स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। यात्राओं में आपको सावधान और सचेतरहने की जरूरत होगी, अन्यथा आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

### वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिएऔर सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) अपने पिता को अपने हाथों से दूध पिलायें।
(२) अपने भेद दूसरों को न बतायें।
(३) खरगोश पालें।
(४) रात में दूध का सेवन न करें।
(५) मुफ्त में पानी का दान न करें।

## पांचवें भाव में स्थित मंगल का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली मंगल की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।**

### आपके वर्षफल में मंगल की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में मंगल कायम है।
आपकी कुण्डली में मंगल शुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में मंगल अपने मित्र के पक्के घर में बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके घर में मेहमानों का आगमन ज़्यादा होगा। समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परीक्षा या प्रतियोगिता इत्यादि में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। दवाईयों से संबंधित व्यापार से आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रु भी इस वर्ष आपसे मित्रतापूर्ण व्यवहार करेंगे। आपको इस वर्ष बहुत सारी यात्रायें करनी पड़ेंगी, जिससे आपको फायदा ही होगा।

### वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) अपनी संतान को सोने का गहना न

पहनायें।
(२) संतान के जन्मदिन पर मीठे की जगह नमकीन बांटें।
(३) अपने पितरों का श्राद्ध करें।
(४) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(५) अपने घर पर नीम के वृक्ष लगायें।
(६) मांस, मछली और शराब का सेवन न करें।

## सातवें भाव में स्थित बुध का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली बुध की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।**

### आपके वर्षफल में बुध की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में बुध पक्के घर का है।
आपकी कुण्डली में बुध कायम है।
आपकी कुण्डली में बुध शुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में बुध अपने मित्र के पक्के घर में बैठा है।
आपकी कुण्डली में बुध अपने मित्र सूर्य के साथ बैठा है।
आपकी कुण्डली में बुध अपने मित्र राहु के साथ बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार,इस वर्ष आप अपने जीवनसाथी अथवा अन्य स्त्रियों से संबंधित किसी कार्य से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त करेंगे। इस वर्ष लकड़ी आदि के व्यापार से भी आपको बड़ी कमाई हो सकती है। इस वर्ष आपविदेश यात्रा या किसी विदेशी संबंध से भी धन प्राप्त कर सकते हैं। अपने परिवार में भी मान-सम्मान प्राप्त होगा। सामान्यत: स्त्रियों से आपको इस वर्ष विशेष सहायता और सहयोग की प्राप्ति होगी।

### वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
(२) हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।
(३) घर में हरी घास रोपें।

## दूसरे भाव में स्थित गुरू का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली गुरू की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।**

### आपके वर्षफल में गुरू की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में गुरू पक्के घर का है।
आपकी कुण्डली में गुरू कायम है।
आपकी कुण्डली में गुरू शुभ भाव में बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थित में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अचानक ही धन लाभ होगा। आपको आगे घटने वाली घटनाओं का पूर्वाभास हो जायेगा। परोपकार की भावना भी प्रबल होगी। आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी, आपके सारे कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगे। आपके जीवनसाथी की तरफ से भी आपको विशेष सहयोग और सहायता प्राप्त होगी।

### वर्षफल में गुरू का उपाय

गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) घर के सामने के गड्ढ़ों को मिट्टी से भरवायें।
(२) सोने चांदी से संबंधित व्यापार न करें।
(३) हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
(४) अपने घर का एक हिस्सा अधुरा ही बिना बनवाये छोड़ें।
(५) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(६) नई ब्याही हुई लड़की को पतीशे की मिठाई दें।

## ग्यारहवें भाव में स्थित शुक्र का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली शुक्र की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।**

### आपके वर्षफल में शुक्र की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में शुक्र कायम है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए आर्थिक समृद्धि का वर्ष है। घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आपके जीवनसाथी का आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप विवाहित हैं और आपकी पत्नी गर्भवती हैं, तो आपको कन्या की प्राप्ति हो सकती है। आपके मन में धार्मिक प्रवृत्तियों का विकास होगा, परन्तु मन में उथल-पुथल रहेगी। आपके ससुराल पक्ष के लोग आपके प्रति सहयोगी रहेंगे। आपकी बहन या साली भी आपका आर्थिक रूप से सहयोग करेगी।

**वर्षफल में शुक्र का उपाय**

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) सरसो के तेल का दान करें।
(२) इस वर्ष अपनी मां या पत्नी को घर की आर्थिक स्थिति संभालने का दायित्व न दें।
(३) अपनी नौकरी/व्यवसाय जल्दी-जल्दी न बदलें।
(४) यदि आपका इस वर्ष विवाह हो रहा है, तो सफेद गाय का दान करें।

## नौवें भाव में स्थित शनि का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली शनि की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।**

**आपके वर्षफल में शनि की शुभता या अशुभता के कारण**

आपकी कुण्डली में शनि पर उसके शत्रु ग्रह मंगल की अर्द्ध दृटि पड़ रही है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी या अनुमान पर अधारित क्षेत्रों में पैसा नहीं लगाना चाहिए। लोहा, तेल, मशीनरी इत्यादि के व्यापार में आपको घाटा हो सकता है। आपको धार्मिक क्रिया-कलापों में मन लगाना होगा।

**वर्षफल में शनि का उपाय**

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) अपने घर की छत पर ईंधन न रखें।
(२) नौ दिन लगातार गंगा में स्नान करें।
(३) दूसरों की अचल संपत्ति पर बुरी नजर न डालें।
(४) माथे पर केसर का तिलक लगायें।

## सातवें भाव में स्थित राहु का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली राहु की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।**

**आपके वर्षफल में राहु की शुभता या अशुभता के कारण**

आपकी कुण्डली में राहु अशुभ भाव में बैठा

है।
आपकी कुण्डली में राहु अपने शत्रु के पक्के घर में बैठा है।
आपकी कुण्डली में राहु अपने शत्रु सूर्य के साथ बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से दृष्ट या युक्त होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है और स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण उनका स्वभाव थोड़ा चिड़चिड़ा हो सकता है। यदि आप बिजली विभाग या यातायात विभाग से संबंधित या उनके साथ मिलकर कोई कार्य करने वाले हैं तो आपको घाटाहो सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो अपने साझेदार से आपका विवाद हो सकता है।

### वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) सात नारियल बहते पानी में बहायें।
(२) चांदी की ईंट अपने घर में रखें।
(३) वाहन चालक के रूप में कोई कार्य न करें।
(४) प्लास्टिक के डिब्बों में गंगाजल भरकर और उसमें चांदी के चौकोर टुकड़े डालकर अपने पास रखें।

## नौवें भाव में स्थित केतु का फल

**आपके वर्षफल कुण्डली केतु की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।**

### आपके वर्षफल में केतु की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में केतु पर उसके शत्रु ग्रह मंगल की अर्द्ध दृटि पड़ रही है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष की हुई यात्रा ज्यादा लाभदायक नहीं होगी। यदि आप अपना चाल-चलन ठीक नहीं रखेंगे तो संतान को कष्ट हो सकता है। आपका किसी दूरस्थ स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है और यदि पदोन्नति की संभावना बन रही है तो किसी कारणवश उसमें बाधा आ सकती है। जायदाद के मामले में भी आपकी चिन्ता बनी रहेगी।

### वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) कानों में सोना पहनें।
(२) सोने की ईट (२१ ग्राम) अपने घर में रखें।
(३) गलत लोगों की संगत में न रहें।
(४) कुत्तों को न सतायें।

## वर्षफल में लागू महत्वपूर्ण योग :

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य सातवें भाव में बैठा हुआ है, और पहला भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको शुभ फल प्राप्त होगा।

# लाल किताब से वर्षफल

(सभी भविष्यफल भाव चलित कुण्डली पर आधारित हैं)

वर्ष पूर्ण – 48

( 18:12:2020 - 17:12:2021 )

# सूर्य सप्तम भाव में

## आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य ग्रह अशुभ स्थिति में है।

### आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य ग्रह के अशुभता के कारण –

सूर्य सातवें भाव में स्थित है और दूसरे भाव में कोई ग्रह स्थित है।
सूर्य सातवें भाव में स्थित है और बृहस्पति, शुक्र एवं बुध या शनि एवं राहु या शनि एवं केतु ग्यारहवें भाव में स्थित हैं।
सूर्य सातवें भाव में स्थित है और पहला भाव खाली है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता लगी रहेगी। आपके घर में अग्निकांड हो सकते हैं। पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। व्यर्थ की धन हानि होने से आपकी मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप साझेदारी मेंव्यवसाय करते हैं तो आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

## वर्षफल में सूर्य का उपाय

### सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) कोई भी कार्य मीठी चीज खाकर और पानी पी कर शुरू करें।
(२) अग्नि में आहुति दें।
(३) नमक कम

खायें।
(४) जमीन में तांबे के सात चौकोर टुकड़े दबायें।

# चन्द्रमा षष्ठ भाव में

## आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको विदेशी संबंधों से लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रुओं की पराजय होगी और आपके भाई-बन्धु और मित्र आपकी सहायता करेंगे।

## वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

**चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्नउपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।**

(१) अपने पिता को अपने हाथों से दूध पिलायें।
(२) अपने भेद दूसरों को न बतायें।
(३) खरगोश पालें।
(४) रात में दूध का सेवन न करें।
(५) मुफ्त में पानी का दान न करें।

# मंगल पंचम भाव में

## आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके घर में मेहमानों का आगमन ज़्यादा होगा। समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परीक्षा या प्रतियोगिता इत्यादि में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। दवाईयों से संबंधित व्यापार से आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रु भी इस वर्ष आपसे मित्रतापूर्ण व्यवहार करेंगे। आपको इस वर्ष बहुत सारी यात्रायें करनी पड़ेंगी, जिससे आपको फायदा ही होगा।

## वर्षफल में मंगल का उपाय

**मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।**

(१) अपनी संतान को सोने का गहना न पहनायें।
(२) संतान के जन्मदिन पर मीठे की जगह नमकीन बांटें।
(३) अपने पितरों का श्राद्ध करें।
(४) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(५) अपने घर पर नीम के वृक्ष लगायें।
(६) मांस, मछली और शराब का सेवन न करें।

# बुध सप्तम भाव में

## आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध ग्रह अशुभ स्थिति में है।

**आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध ग्रह के अशुभता के कारण -**

बुध सातवें भाव में स्थित है और दूसरे भाव में कोई अन्य ग्रह स्थित है।
बुध सातवें भाव में स्थित है और केतु पहले या आठवें भाव में स्थित है या पहला भाव खाली है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको अपने क्रोध पर काबू रखने की आवश्यकता होगी, अन्यथा आपका अनुचित व्यवहार आपकी मान-प्रतिष्ठा के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यदि आप अपना व्यापार

साझेदारी में कर हैं, तो इस वर्ष आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपके भाई अथवा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

## वर्षफल में बुध का उपाय

**बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।**

(१) किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
(२) हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।
(३) घर में हरी घास रोपें।

## आपकी वर्षफल कुण्डली में गुरू ग्रह अशुभ स्थिति में है।

**आपकी वर्षफल कुण्डली में गुरू ग्रह के अशुभता के कारण –**

बृहस्पति दूसरे भाव में स्थित है और कोई अन्य ग्रह नौवें भाव में स्थित है।
बृहस्पति दूसरे भाव में स्थित है और आठवें भाव में कोई भी ग्रह स्थित नहीं है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लालकिताब के अनुसार, आपके पिता को सोने, चांदी के व्यापार में घाटा हो सकता है। उनको कम पूंजी वाले व्यापार में हाथ आजमाना चाहिए। इस वर्ष पैत्तृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको घाटा हो सकता है। आपको इस वर्ष अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता है।

## वर्षफल में गुरू का उपाय

**गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न**

**उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।**

(१) घर के सामने के गड्ढ़ों को मिट्टी से भरवायें।
(२) सोने चांदी से संबंधित व्यापार न करें।
(३) हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
(४) अपने घर का एक हिस्सा अधुरा ही बिना बनवाये छोड़ें।
(५) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(६) नई ब्याही हुई लड़की को पतीशे की मिठाई दें।

# शुक्र एकादश भाव में

## आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र ग्रह अशुभ स्थिति में है।

**आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र ग्रह के अशुभता के कारण -**

शुक्र ग्यारहवें भाव में स्थित है और छठे भाव में कोई ग्रह स्थित है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्याहरवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता और जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको इस वर्ष कोई भी फैसला बहुत सोच-समझ कर करना चाहिए, अन्यथा आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। इस वर्ष आपको स्त्रियों से विवाद या लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको पछताना पड़ सकता है। इस वर्ष आपका स्वभाव थोड़ा रोमांटिक होगा।

## वर्षफल में शुक्र का उपाय

**शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।**

(१) सरसो के तेल का दान करें।
(२) इस वर्ष अपनी मां या पत्नी को घर की आर्थिक स्थिति संभालने का दायित्व न

दें।
(३) अपनी नौकरी/व्यवसाय जल्दी-जल्दी न बदलें।
(४) यदि आपका इस वर्ष विवाह हो रहा है, तो सफेद गाय का दान करें।

# शनि नवम् भाव में

## आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सोने-चांदी से संबंधित व्यवसाय में लाभ होगा। इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना बहुत अधिक रहेगी और धर्म-कर्म के कार्य में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आप पर कोई ऋण नहीं होगा और आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी। आपके चल-अचल संपत्ति में वृद्धि होगी और जीवनसाथी के नाम पर शुरू किया हुआ व्यवसाय लाभदायक होगा। आपको अपने पास संख्या में तीन मकान नहीं रखना चाहिए।

## वर्षफल में शनि का उपाय

**शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।**

(१) अपने घर की छत पर ईंधन न रखें।
(२) नौ दिन लगातार गंगा में स्नान करें।
(३) दूसरों की अचल संपत्ति पर बुरी नजर न डालें।
(४) माथे पर केसर का तिलक लगायें।

# राहु सप्तम भाव में

## आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु ग्रह अशुभ स्थिति में है।

### आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु ग्रह के अशुभता के कारण –

राहु सातवें भाव में स्थित है और दूसरे भाव में कोई अन्य ग्रह स्थित है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से दृष्ट या युक्त होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है और स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण उनका स्वभाव थोड़ा चिड़चिड़ा हो सकता है। यदि आप बिजली विभाग या यातायात विभाग से संबंधित या उनके साथ मिलकर कोई कार्य करने वाले हैं तो आपको घाटाहो सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो अपने साझेदार से आपका विवाद हो सकता है।

## वर्षफल में राहु का उपाय

### राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) सात नारियल बहते पानी में बहायें।
(२) चांदी की ईंट अपने घर में रखें।
(३) वाहन चालक के रूप में कोई कार्य न करें।
(४) प्लास्टिक के डिब्बों में गंगाजल भरकर और उसमें चांदी के चौकोर टुकड़े डालकर अपने पास रखें।

## आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। यह वर्ष आपके लिएआर्थिक दृष्टि से शुभ फलदायक है। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विदेश प्रवास का भी योग है। किसी भी कार्य में अपनी संतान का सुझाव अवश्य लें। यदि आप दूसरों को आशीर्वाद

देते हैं तो फलीभूत होगा।

## वर्षफल में केतु का उपाय

**केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।**

(१) कानों में सोना पहनें।
(२) सोने की ईट (२१ ग्राम) अपने घर में रखें।
(३) गलत लोगों की संगत में न रहें।
(४) कुत्तों को न सतायें।

## वर्षफल में लागू महत्वपूर्ण योग :

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य सातवें भाव में बैठा हुआ है, और पहला भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको शुभ फल प्राप्त होगा।

## लाल किताब उपाय से संबंधित सावधानियां और सामान्य नियम

1– एक दिन में केवल एक ही उपाय करें। एक उपाय समाप्त हो जाने के बाद अगले दिन से दूसरा उपायशुरू करें।

2– सभी उपाय सूर्योदय के बाद एवं सूर्यास्त से पहले करें। जो उपाय सूर्यास्त के बाद करने के लिए लिखा गया है, केवल उसे ही सूर्यास्त के बाद करें।

3– सबसे पहले छोटे उपाय, जो एक दिन के होते हैं, उन्हें करना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में कोई ऋण है तो पहले ऋण वाले उपाय करें।

4– कुछ उपाय सप्ताह, मास या 43 दिन लगातार करने होते हैं, इन उपायों को बाद में शुरू करें। ध्यान रखें कि ऐसे उपाय बीच में न टूटें, अन्यथा शुभ फल प्राप्त नहीं होंगे।

5– यदि लंबे उपाय करते समय किसी कारण से उपाय बीच में बंद करना पड़े तो उस दिन उपाय करने के बाद थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरू करना हो तो वह चावल धर्म स्थान में दे दें या बहते पानी में प्रवाहित कर दें। उसके बाद उपाय शुरूकर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल प्राप्त होगा।

6– मासिक धर्म के दौरान महिलायें मंदिर जाने वाले उपाय न करें, इस दौरान अपने खून से संबंधित परिवार के किसी सदस्य से उपाय करवायें।

7– एक दिन वाले उपाय चौथ, नवमी एवं चतुर्दशी को कर सकते हैं, लेकिन लंबे चलने वाले उपाय इन तिथियों को शुरू न करें।

8– जल प्रवाह की कोई भी वस्तु सिर पर सात बार घुमाकर जल प्रवाह करें।

9– यदि कोई उपाय जिंदगी भर के लिए करना है तो पहले उसे शुरू कर साथ––साथ एक––एक करकेदूसरे उपाय करें।

10– जिस उपाय को किसी खास दिन शुरू करने के लिए न कहा गया हो, उस उपाय को करने के लिए किसी दिन या तिथि जैसे अमावस्या, पूर्णिया आदि का विचार न करें।

11– जिस चीज/औजार से उपाय करें या जो भी सामान उपाय के लिए ले जायें, उसे वहीं छोड़ दें। लंबेचलने वाले उपाय में औजार आखिरी दिन छोड़ें।

12– जो चीज जल प्रवाह करें या धर्म स्थान में दें, उस दिन उस चीज का सेवन न करें।

13– उपाय के दिनों में शारीरिक संबंध स्थापित न करें।

## आपकी कुण्डली से संबंधित सावधानियां और नियम

(1) आपकी कुण्डली में बुध तीसरे, आठवें, नौवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने घर में चौड़े पत्तों वाले पौधे जैसे मनी प्लांट इत्यादि नहीं लगाना चाहिए, अन्यथा आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा।

(2) आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में बैठा हुआ है। यदि आपके घर की दहलीज पर खुदी हुई भट्ठी (जो कि शादी विवाह के अवसरों पर बनाई जाती है और बाद में ढक दी जाती है) है, तो यह आपकेपरिवार के लिए बहुत ही अशुभ है। आपको चाहिए कि उस भट्ठी की जली हुई मिट्टी को नदी या नाले में बहा दें, और ऐसी भट्ठी अपनी दहलीज पर फिर ना खोदें।

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia (up)

# बुध की नाली/स्वभाव, शनि स्वभाव (भाव चलित)

लग्न कुण्डली

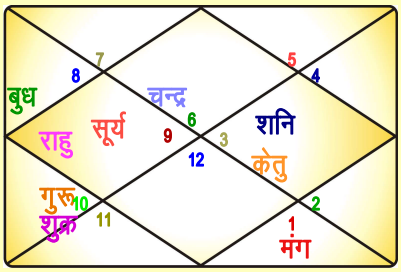


चन्द्र कुण्डली

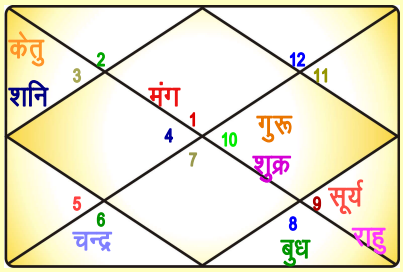


भाव चलित कुण्डली

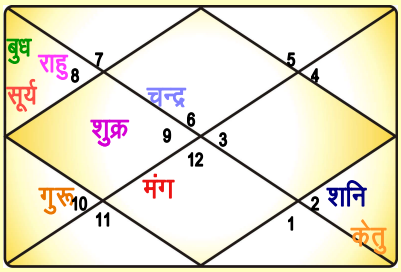


## बुध की नाली

कुण्डली में बुध, शुक्र के शत्रु ग्रहों (सुर्य, चन्द्रमा या राहु) के साथ स्थित है, अतः बुध अपना प्रभाव शुक्र में नहीं मिला पायेगा।

## कुण्डली में बुध का स्वभाव

| ग्रह | भावस्थ | गुणक | प्राप्तांक |
|---|---|---|---|
| सूर्य | 3 | 9 | 27 |
| चन्द्रमा | 1 | 8 | 8 |
| मंगल | 7 | 5 | 35 |
| बुध | 3 | 4 | 12 |
| गुरू | 5 | 6 | 30 |
| शुक्र | 4 | 7 | 28 |
| शनि | 9 | 3 | 27 |
| राहु | 3 | 2 | 6 |
| केतु | 9 | 1 | 9 |
| | | योग – | 182 |

बुध का स्वभाव/प्रभाव पता लगाने के लिए सारे ग्रहों का योग करने पर 182 प्राप्त हुआ, और उस योग को 9 से भाग करने पर 2 शेष प्राप्त हुआ।

पर्यवेक्षण – 2/9 (राहु)

## कुण्डली में शनि का स्वभाव

कुण्डली में शनि खराब स्वभाव का है।